दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 210 | ग्वालियर रविवार, 21 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

17 राज्यों में 72 घंटे बाद भारी बारिश, आंधी-ओलावृष्टि, झारखंड सहित 7 राज्यों में हीटवेव, 23 मई से पश्चिमी विक्षोभ होगा सक्रिय,

उत्तर भारत में भीषण गर्मी का दौर जारी है। मानसून का पूर्वानुमान दिया गया है।राज्य में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं

कई राज्य में ही ट्रफ का भी अलर्ट जारी किया गया है। झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्य में तेज हवा के साथ ही हीटवेव चलने की संभावना जताई गई है। वहीं कई राज्य में बारिश की भी चेतावनी जारी कर दी गई है। मौसम विभाग ने अगले 6 दिन तक उत्तर पूर्व राज्य में मध्य में बारिश का पूर्वानुमान जताया है। बिहार, झारखंड, यूपी, राजस्थान, एमपी में तापमान बढ़ने का सिलसिला जारी रहने वाला है।मौसम विभाग ने जिन राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। उसमें असम मेघालय नगालैंड मणिपुर मिजोरम त्रिपुरा के अलावा अरुणाचल प्रदेश शामिल है। दक्षिण पश्चिम बंगाल सहित सिक्किम में भी गरज चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान जताया गया।पर्वतीय राज्यों की बात करें तो हिमाचल उत्तराखंड में भी मौसम में परिवर्तन देखने को मिल सकता है। उत्तराखंड में कई जगह बारिश की चेतावनी जारी कर दी गई है। इसके साथ ही तापमान में भी कमी देखने को मिल सकती है जबकि बुधवार से हिमाचल में भी भारी बारिश कब शुरू होगा। तापमान में 6 से 5 फीसद की गिरावट रिकॉर्ड की जाएगी। इसके साथ ही तरह चमक आंधी का पूर्वानुमान जताया गया है।

24 मई को उत्तराखंड में ओलावृष्टि व बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। 50 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी। 28 मई तक उत्तराखंड में ओलावृष्टि कभी पूर्व अनुमान जताया गया है। बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की गई है।झारखंड के पूर्वी क्षेत्र में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही तापमान में 3 फीसद का इजाफा देखा गया। अधिकतम तापमान बढ़कर 41 डिग्री सेल्सियस पहुंच गए हैं। वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। तेज गर्म हवा चलने का पूर्व अनुमान जताया गया है। साथ ही शाम होने के बाद मौसम में थोड़ी राहत देखने को मिल सकती है। झारखंड के जिले में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 24 घंटे के द्वारा कोई बदलाव नहीं किया जाएगा जबकि रांची और इसके आसपास के इलाकों में हल्की बारिश रिकॉर्ड की जा सकती है।पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम के इलाके में 1 से 3 घंटे के बीच बारिश की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही तेज ठंडी हवा भी देखने को मिलेगी। कई जिलों में लू चलने का भी अलर्ट जारी किया गया।हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है जबकि जमशेदपुर सहित डालटेनगंज में भी अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। हालांकि 24 मई के मौसम बदलने वाले हैं।अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज के साथ व्यापक बारिश की संभावना है।असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।गंगीय पश्चिम बंगाल, केरल और माहे में गरज के साथ छिटपुट बारिश की संभावना है।गरज के साथ छिटपुट बारिश से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक प्रभावित होने की संभावना है।एक-दो स्थानों पर बारिश या हिमपात हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भीग सकता है।राजस्थान के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में 40 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।दक्षिण उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी झारखंड और उत्तरी मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में लू चलने की संभावना है।पूर्वोत्तर भारत के अलग-अलग स्थानों पर सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहने की संभावना है।उत्तर प्रदेश, राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने का पूर्वानुमानउत्तर पश्चिम भारत में उत्तर प्रदेश, राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने का पूर्वानुमान जताया गया है। 23 मई के बाद मौसम में बदलाव नजर आएंगे। राज्य में बारिश का दौर शुरू होगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, सहित विदर्भ में 22 में से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। दक्षिण भारत में 1 हफ्ते तक मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान 2 से 3 फीसद का इजाफा देखा जा सकता है। इसके साथ ही मध्य भारत में अगले 48 घंटे में तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। 20 से 23 मई के बीच दक्षिण उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान सहित मध्यप्रदेश में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही बिहार झारखंड, उड़ीसा, कोकण, गोवा, केरल, तमिलनाडु में भी तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहने वाला है।अगले 3 दिन के दौरान बंगाल की खाड़ी, हनुमान सागर, अंडमान निकोबार दीप समूह के कई हिस्से में बारिश की चेतावनी देखने को मिल सकती है। वही मानसून पर भी बड़ी अपडेट आ रही है। मानसून बंगाल की खाड़ी, हनुमान सागर और निकोबार दीप समूह के कुछ हिस्से में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना जताई गई है। इन इलाके में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई। 23 मई से कई राज्यों में मौसम बदलेगा। वही 29 मई तक यह सिलसिला जारी रहने वाला है।मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 28 मई तक असम मेघालय के अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया। इसके अलावा 22 मई से 27 मई के बीच अरुणाचल प्रदेश में बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं 28 मई तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। पश्चिम बंगाल के पूर्वी इलाके सहित सिक्किम में हल्की बारिश के साथ ओलावृष्टि का पूर्वानुमान जताया गया है।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का बड़ा बयान, अब खेती का होगा डिजिटल रिकॉर्ड, सरकार ला रही योजना

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि भारत सरकार जल्द ही डिजिटल एग्रीकल्चर योजना ला रही है, जिससे खेती का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल हो जायेगा। उन्होंने बताया कि सेटेलाईट के उपयोग से इस योजना के तहत खेती की पूरी जानकारी ऑनलाइन हो जायेगी। जिसमें खेतों की जियो टेगिंग की जायेगी। खेती को आधार कार्ड से लिंक, बैंक से लिंक और योजनाओं से लिंक किया जायेगा। चूंकि देश में अभी खेती की पैदावार का पूरा आंकड़ा नहीं है। इस योजना से ना केवल पैदावार का रिकॉर्ड होगा बल्कि राज्य अनुसार पैदावार की जानकारी भी होगी।बालाघाट के वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत मुरझड़ में राजाभोज कृषि महाविद्यालय में आयोजित विश्व मधुमक्खी दिवस कार्यक्रम में शामिल होने केंद्रीय कृषि

मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर बालाघाट पहुंचे थे। कार्यक्रम से पूर्व बालाघाट में आयोजित प्रेसवार्ता में तोमर ने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर योजना से किसानों को बैंक में लोन के लिए नो-ड्यूज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। ओला और पाला प्रभावित किसानों का सेटेलाईट से सर्वे होने से किसी किसान के साथ भेदभाव जैसी स्थिति नहीं होगी।केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि देश कृषि प्रधान देश रहा है, कृषि और किसान मोदी जी की प्राथमिकता में हमेशा से रहे हैं । जिसके चलते तत्कालीन कांग्रेस सरकार में जो कृषि का बजट था, उसकी अपेक्षा मोदी सरकार में कृषि बजट एक लाख 25 हजार करोड़ किया गया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार कृषि क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है, तोमर ने कहा ङ्क मध्य प्रदेश कृषि के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है ये कहा जायें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। जिसके चलते निरंतर रूप से प्रदेश की कृषि ग्रोथ 18 प्रतिशत है।कृषि मंत्री ने कहा कि भारत सरकार शहद के उत्पादन को बड़ाने के लिए तेजी से काम कर रही है। भारत से शहद निर्यात भी बड़ा है। शहद उत्पादन अर्थव्यवस्था और रोजगार के दृष्टिकोण से नया आयाम साबित हो रहा है। बालाघाट का वातावरण मधुमक्खी पालन के लिए मुफीद है और यहां भी मधुमक्खी पालन से शहद के क्षेत्र में किसान बेहतर कार्य कर सकते है। उन्होंने कहा कि एफपीओ के माध्यम से किसानों को संयुक्त रूप से आगे बड़ाने का काम मोदी सरकार कर रही है, शहद में भी एफपीओ के माध्यम से कार्य किया जाता है, तो सरकार उनकी पूरी मदद करेगी।उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने फसलों के दाम दोगुना करने का काम किया है। पीएम सम्मान निधि के माध्यम से देश के साड़े 11 हजार करोड़ किसानों के खाते में सिंगल क्लिक से अब तक ढाई लाख करोड़ रूपये किसानों को दिये गये है। जिससे किसानों को खेती के लिए साहूकारों से कर्ज लेने से मुक्ति मिली है।

तालाब में डूबने से 13 वर्षीय बालक की मौत, दोस्तों के साथ नहाने गया था

शिवपुरी।खनियाधाना में शनिवार को 13 वर्षीय बालक की मौत तलाब में डूबने से मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ नहाने के लिए धुवैया तालाब में गया था। इस दौरान अचानक गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। बालक का नाम आदि जोशी पिता नाम अजय जोशी बताया जा रहा है, वह खनियाधाना में अपने परिवार के साथ रहता था।गहरे पानी में डूबने की सूचना मिलते ही आनन-फानन में आसपास के लोगो ने उसे किसी तरह तालाब से गहराई से बाहर निकाला। लेकिन तब तक आदि जोशी की

सांसे थम चुकी थी। परिजनों एवं अन्य ग्रामीणों की भी? मौके पर जुट गई। लोग उसे तुरंत खनियाधाना अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और घटना के बारे में लोगों से एवं परिजनों से जानकारी ली। मृतक के शव को पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना से गाँव में मातम छाया हुआ है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने डीजीपी को लिखा पत्र- छात्र नेताओं पर दर्ज हो रहे आपराधिक मुकदमे, छात्रों के साथ ज्यादती ठीक नहीं

छात्र नेताओं खासकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और नर्सिंग छात्र छात्राओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया) ने नाराजगी जाहिर की है। अजय सिंह ने एनएसयूआई मेडिकल विंग के संयोजक रवि परमार को थाने में बिठाए रखने की घटना की तीखी आलोचना की है। कांग्रेस नेता ने इस मामले में प्रदेश के डीजीपी सुधीर सक्सेना को पत्र लिखकर कहा है कि छात्रों के साथ ज्यादती ठीक नहीं है।डीजीपी मध्य प्रदेश को संबोधित पत्र में अजय सिंह राहुल ने लिखा है कि, ÷प्रदेश की राजधानी भोपाल तथा इंदौर में विभिन्न मांगों को लेकर आन्दोलन / प्रदर्शन करने वाले छात्रों तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारियों पर पुलिस द्वारा अपराधिक प्रकरण दर्ज किये जा रहे हैं। इसके साथ उनसे दस से पचास हजार रुपये के बांड भी भरवाए जा रहे हैं।÷कांग्रेस नेता ने रवि परमार के प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा, ÷विगत 26 अप्रैल, 23 को छात्र नेता रवि परमार को स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करने पर पुलिस थाना टीटी नगर, भोपाल में 11 घंटे तक बिठाकर रखा गया जबकि इन पर धारा 151 लगाई गई थी जिसमें तत्काल मुचलके पर छोड़ने का प्रावधान है। इसी तरह कई छात्रों पर पुलिस ने एक ही मामले में एफआईआर भी दर्ज की और बांड भी भरवाये।

बीजेपी विधायक संजय पाठक ने सीएम शिवराज को लिखा पत्र, मोबाइल गेमिंग ऐप्स को लेकर की ये मांग

कटनी-कटनी विधायक संजय पाठक ने मुख्यमत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा

है। इस पत्र में उन्होने ऑनलाइन मोबाइल ऐप गेम्स के विज्ञापनों में प्रसिद्ध व्यक्तियों, फिल्मी एवं खेल जगत की हस्तियों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने की मांग ही है। उन्होने कहा कि जब जानी मानी हस्तियां इन गेमिंग ऐप्स का प्रमोशन करती हैं तो लोगों पर उनका प्रभाव पड़ता है और वो इसके प्रति आकृष्ट होते हैं।इस पत्र में संजय सत्येंद्र पाठक ने लिखा है कि 'विगत कुछ समय से देखने में आ रहा है कि विभिन्न मोबाइल ऐप गेम्स को प्रमोट करने हेतु प्रसिद्ध व्यक्ति, फिल्मी एवं खेल जगत की हस्तियां विज्ञापनों द्वारा मोबाइल गेम्सों को खेलकर पैसे जीतने के लिए जनता को आकर्षित करती है जो कि उचित नहीं है। मोबाइल ऐप गेमों को खेलने के प्रति प्रोत्साहित करने वाले प्रसिद्ध व्यक्ति, फिल्मी एवं खेल जगत की हस्तिया होती हैं जिनका जनमानस में अच्छा खासा प्रभाव होता है और इन विज्ञापनों में उन्हें देखकर जनता ऐसे ऐप के माध्यम से जुआं, सट्टा, ऑनलाइन बैटिंग के लिए प्रोत्साहित होती है और अपना मूल्यवान समय और मेहनत से कमाई हुई पूंजी को नष्ट कर देती है। देखने में आया है कि कभी कभी लोग कर्ज के कारण आत्महत्या जैसा कदम भी उठा लेते ह

32 साल के शख्स ने मरने के बाद 5 लोगों को दिया नया जीवन, परिवार ने किया अंगदान

किसी की मृत्यु उसके प्रियजनों के लिए बड़ा आघात होती है। ये इतना बड़ा दुख होता है जिससे उबरने में कई बार सालों लग जाते हैं। लेकिन ऐसे कठिन समय में भी कई लोग ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर देते हैं, जो मिसाल बन जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ पुणे के एक परिवार में। यहां एक व्यक्ति की मृत्य के बाद उसके घरवालों ने अंगदान का फैसला लिया, और इस तरह से पांच अलग अलग लोगों को नया जीवन मिला।32 साल का एक युवक ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। उसके परिवार में माता पिता और एक छोटी बहन है। उस शख्स को इंट्रावेंट्रिकुलर रक्तस्त्राव हुआ और फिर डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

श्रीराम कथा के लिए भक्तों को आमंत्रण पत्र के साथ बांटे पीले चावल, धीरेंद्र शास्त्री 6 जून से सुनाएंगे कथा

मंदसौर जिले के शामगढ़ तहसील में 6 जून से 9 जून तक श्रीराम कथा का आयोजन होगा। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कथा सुनाएंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर एक वृद्ध बैठक नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग ने ली।बता दें कि इस बैठक में नगर के सम्माननीय प्रबुद्ध जन एवं मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह ने बागेश्वर धाम कथा के लिए आगे की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि 6 जून को सुवासरा विधानसभा के खेजडिया गांव में हनुमान मंदिर के पास धीरेंद्र शास्त्री बागेश्वर धाम की कथा का आयोजन किया जाएगा इसके लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई है लगभग 5 हेक्टेयर

जमीन पर कथा स्थल व पार्किंग की व्यवस्था बनाई जा रही है जिसमें विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया जा रहा है।वहीं नगर में टोलियां बनाकर पीले चावल देकर कथा में सम्मिलित होने के लिए आम नागरिकों को आमंत्रित किया जा रहा है कार्यकर्ताओं में उत्साह को देखकर लग रहा है कि पटना बिहार का रिकॉर्ड टूट जाएगा लाखों की संख्या में बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र शास्त्री को सुनने के लिए पधारेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी को फिर कहा अनपढ़ 2000 के नोट बंद होने पर कसा तंज

अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर पीएम मोदी की शिक्षा पर निशाना साधा है, पीएम नरेंद्र मोदी की शिक्षा और उनकी डिग्रियों पर सवाल उठाने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज ट्वीट कर 2000 का नोट बंद करने के पीएम के फैसले के बाद मोदी पर निशाने पर लिया है।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने एक फैसला लेते हुए कल शुक्रवार को 2000 के नोट को चलन से बाहर करने और इसे बाजार से वापस लेने की घोषणा की, बैंक के फैसले के बाद इसपर सियासत शुरू हो गई, नेताओं के ÷देश में एक और नोटबंदी÷ जैसे बयान सामने आने लगे।विपक्ष के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को निशाने पर लेने लगे और उनके विरोध में बयान देने लगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी सामने आये, उन्होंने ट्वीट कर पीएम मोदी की शिक्षा पर फिर सवाल उठाये, केजरीवाल ने कहा ङ्क पहले बोले 2000 का नोट लाने से भ्रष्टाचार बंद होगा। अब बोल रहे हैं 2000 का नोट बंद करने से भ्रष्टाचार ख़त्म होगा इसीलिए हम कहते हैं, पीएम पढ़ा लिखा होना चाहिए। एक अनपढ़ पीएम को कोई कुछ भी बोल जाता है। उसे समझ आता नहीं है। भुगतना जनता को पड़ता है।

कर्मचारियों-शिक्षकों के लिए बड़ी खबर, वेतन में 8000 रुपए तक की वृद्धि, आदेश जारी, खाते में आएंगे 24150 रुपए

कर्मचारियों शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल उनके वेतन वृद्धि की घोषणा की गई है। समाज कल्याण मंत्री द्वारा वेतन वृद्धि की घोषणा का लाभ हजारों कर्मचारियों को मिलेगा। वही उनके वेतन को 8000 रुपए तक बढ़ाया गया है। शुक्रवार को मंत्री द्वारा इसकी घोषणा की गई है।आंध्र प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री मेरुगु नागार्जुन द्वारा एससी गुरुकुल में कार्यरत अंशकालीन शिक्षकों के

वेतन में बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। इसके साथ ही पीईटी और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के वेतन में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।मंत्री की घोषणा के मुताबिक गुरुकुल के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा बैठक में इस मामले पर चर्चा की गई। वही बीआर अंबेडकर एससी, आवासीय विद्यालय में कार्यरत कनिष्ठ व्याख्याताओं, पीजीटी, टीजीटी पीजीटी और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों के वेतन में वृद्धि का निर्णय लिया गया है इसके लिए आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।कनिष्ठ व्याख्याताओं के वेतन 18000 से बढ़ाकर 24150 रुपए किया जाएगा जबकि स्नातकोत्तर शिक्षकों के वेतन 16100 रुपए से बढ़ाकर 24150 रुपए किए जाएंगे। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों के वेतन 14800 रुपए से बढ़ाकर 19350 रुपए किए जाएंगे।व्यायाम शिक्षकों के वेतन 10900 से बढ़ाकर 16350 किए जाएंगे जबकि स्वास्थ्य पर्यवेक्षक और स्टाफ नर्सों के वेतन 12900 से बढ़ाकर 19350 किए जाएंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 2019 के बाद पहली बार है, जब अंशकालीन शिक्षक सहित अन्य कर्मचारियों के वेतन वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत अमोला क्रेशर शिविर पहुंचे सीईओ

अमृत सरोवर तालाब को देखने के लिए बाइक से पहुंचे सीईओ

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी ने शनिवार को मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत अमोला क्रेशर में आयोजित हुए शिविर का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान यहां पर उन्होंने कर्मचारियों को शिविर में आने वाले हर ग्रामीणों की समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए और हितग्राहियों को लाभ का वितरण करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर कुछ कर्मचारी शिविर में देर से पहुंचे इसको लेकर सीईओ ने चेतावनी दी। गौरतलब है कि इस समय मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान द्वितीय के अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनका निराकरण किया जा रहा है। इसके अलावा हितग्राहियों को लाभ का वितरण भी किया जा रहा है।

बाइक से तालाब निर्माण देखने पहुंचे सीईओ –जिला पंचायत के सीईओ उमराव सिंह मरावी ने अपने दौरे के दौरान करैरा जनपद पंचायत के दिदावली और मामौनीकलां में बनाए जा रहे अमृत सरोवर तालाबों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान दिदावली गांव में वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। दिदावली में जहां पर यह तालाब बनाया जा रहा है वहां तक पहुंचने के लिए रास्ता उब?- खाब? है इसलिए स्थानीय ग्रामीणों के साथ सीईओ मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे। इसके अलावा मामौनीकलां में भी उन्होंने जल्द से जल्द तालाब का पूरा काम करने के निर्देश संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को दिए। दिदावली में 80 हजार घन मीटर और मामौनीकलां में 60 हजार घनमीटर पानी का भराव होगा। इससे स्थानीय ग्रामीणों को काफी लाभ होगा। यहां पर नवीन अमृत सरोवर तालाब बनने से भूमिगत जल स्तर में ब?ोतरी होगी। इसके अलावा तालाब में पानी भरने के बाद मछली पालन सहित रोजगार आधारित अन्य गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

थाना करैरा पुलिस द्वारा पकडा अबैध 315 बोर का कट्टा मय जिन्दा कारतूस के आरोपी गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री रघुवंश कुमार सिह जी के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ ,जुआ सट्टा ,अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन ,अवैध शराव की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे श्रीमान अति० पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया जी के निर्देशन में एवं करैरा श्रीमान संजय चतुर्वेदी जी के कुशल मार्गदर्शन मे दिनांक 19.05.2023 के दोपहर मे थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि महुअर नदी पुल के पास एक ब्यक्ति अबैध कट्टा लिए बारदात करने की नियत से घूम रहा है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु हमराही फोर्स की मदद से मौके पर पहुंचा मुखविक के बताए हुलिए अनुसार नई उम्र का लडका पुलिस को देख भागने लगा जिसे फोर्स की मदद से पकडा उसका नाम व पता पूछा तो उसने अपना नाम मुकेश साहू पिता शिवचरन साहू उम्र 28 साल निवासी महुअर नदी के पास करैरा थाना करैरा का होना बताया जिसकी समक्ष पंचान विधिवत तलाशी लेने पर बायीं तरफ कमर मे एक 315 बोर का कट्टा जिसके चैंबर मे एक कारतूस एवं दाहिने तरफ पैन्ट की जैव मे एक जिन्दा कारतूस मिला जिसे विधिवत जप्त किया गया , आरोपी के विरूध्द धारा 25/27 आर्मस एक्ट के तहत अप क्रं.290/23 पंजीबध्द किया गया , आरोपी से बरामद सुदा कट्टे के सप्लायरों के संबंध मे पूछताछ की जा रही है ।

बैराड पुलिस द्वारा 24 घन्टे में गुमशुदा नाबालिक बालिका को ग्राम किर्राच के जंगल थाना पोरसा जिला मुरैना से किया दस्तयाव

राकेश परिहार पिछोर

दिनांक 19.05.2023 को फरियादिया निवासी गोबरा थाना बैराड ने उपस्थित थाना आकर मौखिक रिपोर्ट किया कि दिनांक 19.05.2023 को फरियादिया की नाबालिग लडकी उम्र 17 साल 1 माह निवासी गोबरा को बिना बताये घर से चली गई थी । उक्त रिपोर्ट पर से धारा 363 भादवि का प्रकरण पंजीबद्द कर विवेचना में लिया गया था । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयावी हेतु हर संभव प्रयास कर जल्द से जल्द दस्तयाब करने के निर्देश दिए गए हैं उक्त आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण भूरिया, एसडीओपी पोहरी श्री मनीष यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बैराड निरीक्षक नवीन यादव द्वारा मामले को गम्भीरता से लेते हुये लोकेशन के आधार पर तत्काल पुलिस टीम जिला मुरैना भेजी गई जहा से आज दिनांक 20.05.2023 को 24 घंटे के अन्दर ग्राम किर्राच के जंगल थाना पोरसा जिला मुरैना से अपहृता को दस्तायाव किया गया ।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बैराड निरीक्षक नवीन यादव व उनकी टीम उनि अरविंदसिंह चौहान प्र.आर.934 जगेश सिकरवार आर.1107 धर्मपाल धाकड आर.966 अवधेश शर्मा म.आर.1068 वैशाली श्रीवास्तव की सराहनीय भूमिका रही

पिछोर में जगह जगह लगेगा समर कैंप:बीआरसीसी

राकेश परिहार पिछोर

पिछोर(शिवपुरी)पिछोर में समर कैंप अभियान पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया।17 मई को जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी द्वारा प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से बी आर सी कार्यालयपिछोर में समर कैंप अभियान के बारे में एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रभारी बीआरसी श्री रामकिशोर सोनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया इस उन्मुखीकरण प्रशिक्षण में पिछोर ब्लॉक के समस्त बी ए सी, सभी जन शिक्षक उपस्थित रहे। सर्वप्रथम प्रभारी बीआरसीसी सोनी द्वारा समर कैंप के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की। अगले एक सप्ताह में सभी जनशिक्षकों द्वारा अपने जनशिक्षा केन्द्र के अंतर्गत आने वाले सभी गाँव के स्वयंसेवकों का उन्मुखीकरण संपन्न किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा प्रथम के सहयोग से प्रदेश के सभी जिलों में समर कैंप का संचालन किया जा

रहा है इसी सन्दर्भ में पिछोर के सभी गाँव में समर कैम्प 2023 अभियान का संचालन किया जाना प्रस्तावित है यह अभियान 15 मई से 15 जून तक संचालित किया जाएगा इस अभियान में कक्षा 5 वीं पास कर चुके बच्चों को जो अब कक्षा 6 वीं में प्रवेश ले चुके है और जिन्हें अभी साधारण कहानी पढना भी नहीं आ रहा है (नॉन रीडर) उनके शैक्षिक सुधार हेतु ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान बच्चों के बुनियादी प?ने एवं गणित की दक्षताओं में सुधार के लिए गाँव-गाँव में समुदाय के बीच समर कैंप कक्षाओं का संचालन किया जाएगा ताकि वह बच्चे धाराप्रवाह कहानी पड़ 11 एवं 12 वीं में अध्यनरत हैं साथ ही कॉलेज स्टूडेंट एवं नव भारत साक्षरता अभियान के अक्षर साथी, शिक्षक जो उसी गाँव के निवासी है वह इस अभियान में जुड़कर, समुदाय कैंप का संचालन करेंगे. इन सभी को कैंप संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही टीचिंग मटेरियल भी उपलब्ध कराया जाएगा. एक गाँव में 2 स्वयंसेवकों को टीचिंग मटेरियल दिया जाएगा यदि 2 से ज्यादा स्वयंसेवक उस गाँव से जु?ते हैं तो उन्हें सॉफ्ट कॉपी व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी इस अभियान में जुड़ने बाले एवं समर कैंप का संचालन करने वाले सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा तथा उन्हें ÷शिक्षा-के-बदले-शिक्षा÷ कार्यक्रम से जोड़कर डिजिटल रेडिनेस कोर्स और प्राथमिक उपचार कोर्स के माध्यम से उन्हें कुछ नए कौशल सीखने का अवसर मिलेगा। ये दोनों कोर्स डिजिटल माध्यम से पहुँचाए जाएँग

चिटफण्ड कंपनी के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु हितबद्ध कोई भी व्यक्ति 2 जून तक आपत्ति दर्ज कराएं

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- चिटफण्ड कंपनी के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु हितबद्ध अन्य कोई भी व्यक्ति 2 जून तक प्रात- 11 बजे से 12 बजे तक स्वयं उपस्थित होकर अपना जवाब / आपत्ति एवं कंपनी से संबंधित अन्य कोई दस्तावेज एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद म्याद गुजरने पर प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी शिवपुरी अंकुर गुप्ता ने बताया कि शिकायतकर्तागण संजीव कुशवाह पुत्र आशाराम सिंह निवासी श्रीलाल का बाडा कमलागंज शिवपुरी, यासीन हुसेन पुत्र मुन्ना हुसैन निवासी कोलारस, भोलेराम पुत्र अमरलाल प्रजापति निवासी कमलागंज शिवपुरी, घनश्यामसिंह पुत्र वृजलाल कुशवाह निवासी कस्बा नरवर वार्ड न. 02 नरवर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। चिटफण्ड कंपनी जी.सी.ए. मार्केटिंग प्रा.लि. जिसका कार्पोरेट ऑफिस 336 सेकेण्ड फ्लोर गर्ग प्लाजा कम्यूनिटी सेंटर पीतमपुरा नई दिल्ली 110034 में है तथा रजिस्टर्ड कार्यालय एफ-77 सिविल लाईन्स भटिण्डा पंजाब में है। इस कम्पनी की देशभर में 200 शाखायें थी, जो कि वर्ष 2017-18 से निवेशकों को भुगतान न करके धीरे-धीरे बंद कर दी गई है। इन कम्पनियों द्वारा कभी पौधे लीज के काम कभी डेरी का काम के लिए जनता की गाढी कमाई से धन दुगना करने की स्कीम आरडी/ एफडी में डिपोजिट कराई गई। फिर निवेशकों से झूठे वायदे किए गए लेकिन कम्पनियों के द्वारा निवेशकों के निवेश की राशि का भुगतान नहीं किया गया। शिकायकर्तागण इस कंपनी केनिवेशक हैं के हित में इन कम्पनियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये जिससे आम निवेशकों की राशि वापिस हो सके। शिकायत का जांच प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी शिवपुरी न्यायालय में विचाराधीन है। अनुविभागीय अधिकारी शिवपुरी द्वारा इन संस्थाओं को नोटिस जारी किए गए हैं।

करैरा पुलिस द्वारा पकडी मादक पदार्थ स्मैक 50 ग्राम एवं एक पल्सर मो.सा. कुल कीमती 9 लाख रूपये आरोपी किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक महोदय श्री रघुवंश कुमार सिह जी के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ ,जुआ सट्टा ,अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन ,अवैध शराव की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे श्रीमान अति० पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया जी के निर्देशन में एवं स्ष्ठहृक्क करैरा श्रीमान संजय चतुर्वेदी जी के कुशल मार्गदर्शन मे आज दिनांक 20.05.2023 के दोपहर मे थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा ॥सूचना मिली कि आई.लव. तिराहा हाईवे रोड करेरा के पास बल्देव उर्फ बिक्की पुत्र रमेश कुशवाह नि.टीला रोड करैरा का पल्सर मो.सा. नंबर क्क७0ष्ट॥8701 पर बैठा हुआ है तथा लोगों को मादक पदार्थ स्मैक बिक्री कर रहा है उक्त सूचना की तस्दीक की तो एक ब्यक्ति उक्त पल्सर मो.सा. नंबर क्क७0ष्ट॥8701 पर बैठा हुआ था , पुलिस द्वारा उसका नाम व पता पूछा तो उसने अपना नाम बल्देव उर्फ बिक्की पुत्र रमेश कुशवाह उम्र 21 बर्ष नि. टीला रोड करैरा का होना बताया , उसके कब्जे से 50 ग्राम स्मैक कीमती करीवन 8 लाख रूपये, एक इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा तथा 1500 रूपये नगद एवं एक पल्सर मोटरसाईकिल बरामद की गयी कुल कीमती 9 लाख रूपये का माल मशरूका बरामद किया गया , आरोपी के विरूध्द धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अपराध क्रं.294/23 पंजीबध्द किया गया , आरोपी से बरामद शुदा मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायरों संबंध मे पूछताछ की जा रही है ।

बरामद माल 50 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक , एक इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा ,एक पल्सर मो.सा.क्रं. क्क७0ष्ट॥8701, नगदी 1500 रूपये कुल कीमती 9 लाख रूपयें इनकी रही भूमिकाङ्क थाना प्रभारी करैरा निरी. श्री सुरेश शर्मा ,उनि कुलदीपसिंह, उनि बीआर पुरोहित ,सउनि कमलसिंह बंजारा, प्र.आर 796 प्रभावती लोधी, आर 696 सोनू पांडेय, आर 1073 अनूप द्विवेदी, आर.724 दीपेन्द्र गुर्जर, आर संजीब श्रीवास्तव, आर.617 ओमप्रकाश रावत, आरक्षक चालक 739 राघवेन्द्र यादव , आर 517 संतोष पाठक ।

वार्डबासियों की शिकायत पर पानी निकासी को डाली गई पाइप लाइन

राकेश परिहार पिछोर

पिछोर(शिवपुरी)पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी आईएएस अरविंद शाह द्वारा गत दिवस पिछोर नगर के कई वार्डो का मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों एवं आम जनता तक सुविधाएं देने हेतु औचक निरीक्षण किया गया। जहां मकानों के आगे रोड पर महीनों से पानी भरा होने के कारण अवरुद्ध हुए रोड को राजस्व एवं नगरीय प्रशासनिक अमले द्वारा पानी की निकासी कराई गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम शाह द्वारा अपने औचक निरीक्षण में वार्ड क्रमांक 13 राजा महादेव पर महीनों से रोड एवं मकानों के पास गंदा पानी भरा होने के कारण रोड जाम था एवं लोगों को गंभीर समस्या हो रही थी जिसकी वार्डवासियों द्वारा पूर्व में शिकायत भी की गई थी इस समस्या को देखते हुए एसडीएम सहित नगर परिषद सीएमओ राघवेंद्र पालिया की टीम द्वारा मौके पर अवरुद्ध पानी की निकासी के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन डाली गई एवं मोहल्ले की गंभीर समस्या को निजात दिलाने के लिए मौके पर ही इस समस्या का निराकरण किया गया। इसके साथ ही एसडीएम द्वारा वार्ड क्रमांक 15 फुटेरा में नगर का कचरा प्रबंधन यूनिट का भी निरीक्षण किया गया। जिस पर सीएमओ पालिया द्वारा इस कचरा प्रबंधन यूनिट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं इससे मिलने वाले लाभ के बारे में भी बताया गया। इसके साथ साथ पिछोर नगर की धरोहर स्थित किला एवं तलहटी का भी निरीक्षण किया गया जहां पर वनसंरक्षण संबंधी पेड़ पौधों को जीवित रखने हेतु निगरानी करने को कहा गया।

खबर का असर

खनन माफियाओं के विरूद्ध विजयपुर पुलिस बड़ी कार्यवाही एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

श्योपुर – श्योपुर जिले के विजयपुर नगर में खनन माफियाओं द्वारा लंबे समय से अपने वाणिज्यक प्रयोजन हेतु खनिज पदार्थो का अवैध उत्खनन कर कय-विक्रय किया जा रहा था। इस काले धंधे के माध्यम से करोड़ो रूपये की काली कमाई कर शासन एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचायी जा रही थी। इस मुद्दे को समाचार पत्र पुष्पाजंलि टुडे द्वारा प्रमुखता से उठाया गया था। जिस पर संज्ञान लेते हुए पूर्व में दिनांक 27.09.2022 को सहायक खनिज अधिकारी श्योपुर द्वारा पुलिस थाना विजयपुर में 0258/2022 दर्ज करवाया था। उक्त प्रकरण में अपराध क्रमांक प्रकरण में आरोपीगण के संचालक शिवजीलाल गुप्ता तथा मित्तल ट्रेडर्स के संचालक गोपेश

कैलादेवी ट्रेडर्स के संचालक मोहन गुप्ता एवं राहुल गर्ग, एस. एल. ट्रेडर्स मित्तल बनाए गए थे। उक्त पूरे प्रकरण की विवेचना थाना प्रभारी श्री मनोज झा के निर्देशन में उपनिरीक्षक श्री धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा की गई। विवेचना उपरांत आरोपीगणों पर भारतीय दण्ड विधान की धारा 420, 467, 468, 120-बी एवं 201 अधिरोपित की गई। उक्त प्रकरण में कार्यवाही करते हुए दिनांक 20 मई 2022 को आरोपी मोहनलाल गुप्ता संचालक कैलादेवी ट्रेडर्स को गिरफ्तार कर न्यायलय में प्रस्तुत किया गया। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए न्यायाधीश महोदय ने आरोपी मोहनलाल गुप्ता को जेल भेज दिया शेष आरोपीगणों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी है। विजयपुर पुलिस की इस कार्यवाही खनन माफियाओं में हडकंप मच गया है ।

करैरा में सीसीएलई ट्रेनिंग के दौरान शिक्षकों के डांस का वीडियो वायरल, दो प्रभारी प्राचार्य निलंबित

शिवपुरी । शासन द्वारा सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय स्कूलों में दी जाने वाली शिक्षा को किताबी के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षा भी बनाया जाना शामिल है। इसी के चलते शिक्षकों को सीसीएलई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में शिक्षकों ने जो कुछ सीखा उसका उसके आधार पर गतिविधि आधारित वीडियो भी बनाया जाना है। इसी क्रम में करैरा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक स्कूल में 16 मई को शिक्षकों को सीसीएलई ट्रेनिंग के उपरांत प्रतिभा प्रदर्शन करते हुए झिझक दूर करने के लिए गतिविधि आधारित वीडियो बनाने को कहा गया तो शिक्षकों ने फिल्मी गानों पर डांस के वीडियो बना डाले।यह वीडियो किसी तरह इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो गए। इसके बाद इन वीडियो पर लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिए। शिक्षकों के डांस के यह वीडियो दिनभर इंटरनेट मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरते रहे। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौड़ ने पूरे मामले में जांच करने के लिए कमेटी बना दी है। इस मामले में दो प्रभारी प्राचार्य को निलंबित करने की जानकारी भी मिली है।मामले में जांच उपरांत मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई करने की बात जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कही जा रही है।सीसीएलई कोई गतिविधि न होकर सीखनेसिखाने की प्रक्रिया है। इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास को समाहित करते हुए किताबी ज्ञान के अतिरिक्त उनके अंदर मौजूद प्रतिभा को बाहर निकलना भी शामिल है।शिक्षकों को सीसीएलई ट्रेनिंग में इसी बात का प्रशिक्षण दिया जा रहा है

मंदिर के महंत को बात करने के बहाने बुलाया और लाठियों से कर दी पिटाई

शिवपुरी । बलारी माता मंदिर पर होने जा रहे शतचंडी यज्ञ से पहले शुक्रवार को एक बार फिर नेशनल पार्क प्रबंधन और मंदिर प्रबंधन सहित भक्तों में झगड़ा हो गया। इस बार तो झगड़ा इतना बढ़ गया कि पार्क प्रबंधन ने मंदिर के महंत को बात करने के बहाने चौकी के अंदर बुलाकर उनकी लाठियों से मारपीट कर दी।बाबा की पिटाई होते देख गांव के भक्त भड़क गए और उन्होंने भी जवाब में पथराव कर दिया। पूरे झगड़े में मंदिर के महंत सहित एक अन्य बाबा और एक वन विभाग का कर्मचारी घायल हो गया है। खास बात यह है कि झगड़े से पहले बाबा ने विवाद की आशंका को लेकर नपाध्यक्ष को बताया था और इसके बाद नपाध्यक्ष ने कलेक्टर को मामले की जानकारी दी।इसके बावजूद झगड़ा मारपीट और पथराव तक पहुंच गया।जानकारी के अनुसार बलारी माता मंदिर पर 24 मई से शतचंडी यज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। इसी क्रम में वहां यज्ञ के लिए 108 वेदियां बनाई जानी हैं, इसी के चलते शुक्रवार की सुबह मंदिर प्रबंधन ने वहां ईंटों का ट्रक मंगवाया।पार्क प्रबंधन ने इस ट्रक को अंदर जाने से रोक दिया, इस पर मंदिर के महंत ने उन्हें बताया कि इन ईंटों से कोई निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा बल्कि हवन वेदी बननी है। इसके बावजूद पार्क प्रबंधन ने ईंटों के ट्रक को अंदर नहीं जाने दिया।अंतत- मंदिर के महंत प्रयाग भारती ने नपाध्यक्ष गायत्री शर्मा को फोन लगाया कि वह हवन वेदी बनवाने के लिए ईंटों का ट्रक अंदर ले जाना चाहते हैं, लेकिन पार्क प्रबंधन ट्रक अंदर नहीं जाने दे रहा। नपाअध्यक्ष गायत्री शर्मा के अनुसार इसकी जानकारी उन्होंने कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी को दी तो उन्होंने कहा कि वह पार्क प्रबंधन से इस संबंध में बात कर लेते हैं।इसके बाद भी विवाद जस की तस जारी रहा और कुछ देर बाद वहां सुरवाया पुलिस पहुंच गई। महंत प्रयाग भारती के अनुसार इसके बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने उन्हें बात करने के बहाने अंदर बुलाया, उनके अनुसार चूंकि पुलिस आ चुकी थी इसलिए वह भी अपने एक चेले रमन भारती के साथ अंदर चले गए।जहां वन विभाग के कर्मचारियों ने महंत और बाबा को चौकी के अंदर बंद करके उनकी लाठियों से मारपीट कर दी। चौकी के अंदर से महंत की चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनकर बाहर मौजूद भक्त भी भड़क गए और उन्होंने पथराव कर दिया। इस हमले में वन विभाग के स्थाईकर्मी विद्यासागर तिवारी को चोट आई है। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इस पूरे मामले में प्रशासनिक पक्ष जानने के लिए कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी के फोन लगाया तो उन्होंने फोन अटेंड नहीं किया। सीसीएफ उत्तम शर्मा का फोन आउट आफ रेंज बता रहा था। एसीएफ अनिल सोनी और रेंजर दीपमाला शिवहरे ने भी फोन अटेंड नहीं किया। सुरवाया थाना प्रभारी रामेंद्र चौहान का फोन भी स्विच आफ बता रहा था।उल्लेखनीय है कि सैकड़ों सालों से नेशनल पार्क जंगल में स्थित बलारी माता मंदिर भक्तों की आस्था और विश्वास का केंद्र रहा है। इसी क्रम में माधव नेशनल पार्क में टाइगर रिजर्व बन जाने के बाद करई पर नेशनल पार्क प्रबंधन ने चौकी बनाकर मंदिर पर भक्तों के प्रवेश पर रोक लगा दी। ऐसे में नेशनल पार्क प्रबंधन और मंदिर प्रबंधन के बीच तनाव बढ़ता चला गया। कई बार विवाद की स्थिति निर्मित हुई।क्षेत्रीय विधायक और मंत्री यशोधरा राजे ने कलेक्ट्रेट में दोनों पक्षों को बिठा कर आपस में सहमति बनाने के निर्देश देते हुए, मंदिर पर धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश को गलत बताया था। उन्होंने पार्क प्रबंधन और मंदिर प्रबंधन को निर्देश दिए थे कि आपसी सहमति से ऐसे काम किए जाएं कि न तो जंगल के कानून टूटें और न ही लोगों की धार्मिक भावना आहत हो। इसके बावजूद दिन प्रति दिन विवाद बढ़ता जा रहा है। अगर यही हालात रहे तो किसी दिन बड़ा हादसा घटित हो सकता है।नेशनल पार्क प्रबंधन से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो पार्क प्रबंधन ने तय कर लिया है कि पार्क के अंदर शतचंडी यज्ञ नहीं होने दिया जाएगा। वहीं मंदिर प्रबंधन और माता के भक्तों ने यज्ञ की पूरी तैयारी कर ली है। 24 मई को विशाल कलश यात्रा निकालने की पूरी योजना तैयार है, वहीं पार्क प्रबंधन ऐसा होने नहीं देना चाहता। इन हालातों में यह तय है कि कलश यात्रा के दौरान अथवा शतचंडी यज्ञ के दौरान कोई भी बड़ा विवाद हो सकता है। समय रहते इस समस्या का समाधान निकलना अनिवार्य हो गया है।मुझे बाबा ने हवन बेदी बनवाने के लिए आए ईंटों के ट्रक को अंदर भिजवाने की अनुमति दिलवाने के लिए फोन किया था।

सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा 7 साल के मूकबधिर बच्चे को चन्द घण्टों मे किया दस्तयाब

बच्चे के मिलने पर परिजनों ने की खुशी जाहिर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । दिनांक 19/05/2023 को शाम करीब 7 बजे फरियादी आनन्द जाटव ने थाना पर आकर अपने मूखबधिर बच्चे जिसकी उम्र करीब 7 वर्ष के गुम होने सूचना दी उक्त सूचना को गम्भीरता से लेकर पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे एवं नगर पुलिस अधीक्षक निशा रेड्डी को घटना से अवगत कराया तथा थाना प्रभारी द्वारा टीम बनाकर बच्चे की

तलाश हेतु रवाना किया गया तथा शहर मे लगे सभी पोइन्टो को सूचना दी गई तभी डायल 100 पर पदस्थ कर्मचारी द्वारा उक्त बच्चे की सड़क पर देखा और पहचान होने पर थाना लेकर आये जहां से बच्चे के घर वालो को बुलाकर सुपुर्द किया ।कोतवाली सिटी निरीक्षक शिव सिंह यादव,उपनिरीक्षक अतुल भदौरिया,प्रधान आरक्षक जितेन्द्र यादव, आरक्षक दीपक राजावत, आरक्षक अभिषेक, आरक्षक अमन प्रताप सिंह की मुख्य भूमिका रही।

माता पिता की आज्ञा का पालन कर जीवन सुखद बनाये- दीवान माधवसिंह

भामाशाह एवं दानदाता धर्मगुरु के हाथो हुए सम्मानित

पुष्पाजंली टुडे

कुक्षी।मध्यप्रदेश धर्म की जड़ पाताल मे होती हे।सदैव धर्म के कार्य करते रहना चाहिए।हमेशा माता पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए।अगर अपने परिवार को सुधारना हे तो उसकी शुरुआत अपने से ही करनी होगी।उक्त प्रेरक वचन धर्मगुरु दीवान माधवसिंह राठौर ने धर्मसभा मे उपस्थित जनो को आशीर्वचन स्वरूप कहे। उन्होने कहा कि आज से सेकड़ो वर्षो पहले श्री आई माताजी ने समाज को आगे बड़ाने व धर्म का प्रचार करने हेतु दीवान परम्परा की शुरुआत की थी जी को तब से लेकर आज तक वह परम्परा निरंतर चालू है। धर्मगुरु ने कहा- हमारी मारवाड़ी मे कहावत हे-÷जिकी औलाद सुधरी,उको जमानो सुधरियों÷ याने जिस परिवार मे युवा सही रास्ते पर हे वो परिवार

हमेशा प्रगतिशील होकर समृद्ध बना हे। ईमानदारी,दया,सहनशीलता के कारण ही आज हमारा समाज चहुंमुखी विकाश कर रहा हे।धर्मगुरु ने सिर्वी समाज सकल पंचो एवं पूर्व पंच समिति की उपस्थिति मे इस धार्मिक आयोजन मे सप्तदिवसीय प्रातः नास्ते के

लाभार्थी जीजी सा ग्रुप- 2 के साथ सात दिन शाम के सहभोज के लाभार्थी परिवारो एवं 19 बोलियो के लाभार्थी परिवारो तथा समाज के अन्य दानदाताओं,वरिष्ठ भामाशाओ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।साथ हि समाज के 25 से अधिक संगठनो,ग्रुपो एवं समितियो को भी सम्मानित किया गया। समाज के प्रत्येक परिवार को कार्यक्रम की याद स्वरूप एक चांदी का सिक्का गुरुजी के कर कमलो से भेंट किया गया। नविन मांगलिक भवन मे समाज की ओर से प्रथम सामूहिक सहभोज का आयोजन धर्मगुरु के सानिध्य मे सम्पन्न हुआ।सिर्वी समाज सकल पंचो ने धर्मगुरू दीवान साहब को ससम्मान नजराना भेंट कर विदाई दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सहयोग हेतु सिर्वी समाज सकल पंचो ने सभी समाजजनो समितियों,संगठनो,पत्रकार बन्धुओ तथा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग करने वालो का आभार प्रकट किया।संचालन नरेन्द्र सिर्वी ने किया।

कक्षा में फैल होना मतलब जीवन में फैल होना नहीं : कानाराम सीरवी

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ।खुश हैं जमाना, क्योंकि दसवीं बारी के रिजल्ट निकले हैं, 80,90,95 परसेंट तक बच्चे मार्क्स ले आए हैं, मेनी मेनी कांग्रेचुलेशन, लड्डू आपने भी खाए होंगे, लेकिन इस बीच उनको मत भूल जाना जिनके मार्क्स कम आए हैं या फेल हुए हैं।जो स्टूडेंट सफल होने के साथ साथ उम्मीद के मुताबिक नंबर पाने में सफल रहे हैं, खुशी से उनके पांव जमीन पर नहीं पड़ रहे होंगे। स्व-प्रेरित ऐसे बच्चे आगे अपने सपनों को पूरा करने को लेकर उत्साह से भरे होंगे। लेकिन जिन बच्चों के नंबर कम आए हैं या फिर किसी कारण फेल हो गए हैं, उन्हें निकम्मा कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्हें शर्मिंदा करने या उन्हें डांटने-फटकारने की बजाय उनका हौसला बढ़ाने और उनकी पसंद की दिशा में आगे ब?ने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है।जो स्टूडेंट सफल रहे हैं, उनकी सफलता में उनकी सकारात्मक सोच और उनके माता-पिता सहित शिक्षकों का भी बड़ा योगदान रहा है। लेकिन जो छात्रछात्राएं किसी कारण फेल हो गए हैं या जिन्हें अपेक्षा के अनुरूप अंक नहीं मिले हैं, उन्हें भी निराश और हताश होने की कतई जरूरत नहीं है। हो सकता है कि मेहनत करने के बावजूद किसी कारण उनके पेपर अच्छे नहीं हुए हों। कोई पारिवारिक, शारीरिक या आर्थिक परेशानी रही हो या फिर जो विषय उन्हें दिलाए गए हों, उनमें रुचि न होने के कारण उनका मन नहीं लगता हो और इस कारण वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। क्योंकि कल ही देहरादून में एक बच्चे ने फेल होने पर खुद को सूट कर दिया, तो वहीं छत्तीसगढ़ में एक परीक्षार्थी अपने परिणाम से असंतुष्ट होकर सुसाइड कर दिया ऐसी कई घटनाएं हैं जो हमें देखने को मिलती हैं, और इन सभी घटनाओं के पिछे वजह होती हैं समाज और अड़ोस पड़ोस के लोगों की तानेबाजी

समाज दबाव डालता हैं बच्चे के परिवार पर, और समाज की ताने बाजी से परिवार के सदस्य भी बच्चे को डाटने फटकारने लगते हैं जिसके कारण बच्चा पुरी तरह टूट जाता हैं। इसके लिए उन बच्चो को डांटने फटकारने, तानेबाज़ी करने या उन्हें शर्मिंदा करने की बजाय यह समय उनके साथ खड़े होने का है।उनको मार्गदर्शन करने तथा उनके प्रति सहानुभूति जताने की बजाए हम ताना मारते हैं इसका मतलब यह तो नहीं कि बच्चा कक्षा में फेल हो गया तो इसका मतलब जिंदगी में भी फेल हो गया। कक्षाओं में फेल होने या कम अंक पाने का मतलब यह कतई नहीं कि आप आगे कभी कामयाब नहीं हो सकते। देश और दुनिया के तमाम ऐसे लोगों का उदाहरण सामने है, जो स्कूली पढ़ाई में या करियर के शुरुआती दौर में फेल कर दिए गए थे पर उन्होंने अपनी जिद और जुनून से कामयाबी की ऐसी इबारत लिख दी जिसकी आज मिसाल दी जाती है, सभी बच्चे एक जैसी प्रतिभा के नहीं होते और सभी से एक ही तरह के परिणाम की भी उम्मीद नहीं की जा सकती। मेरा आग्रह सभी भाई बहनों से यही है कि आप का परिणाम निम्न रहा हो, या आप फैल हो गए हो तो आप यह मत सोचिए कि आप जिंदगी में फैल हो गए, जिंदगी में और भी कई चीजें हैं कई क्षेत्र हैं जिसमें आप अपना बड़ा अनोखा करियर बना सकते हैं, हर किसी में अलग-अलग खूबियां होती है बस उसको पहचानना आपको हैं, उसमें खाद और उर्वरक डाल कर उसको बाहर निकालना हैं, उदाहरण के तौर पर अगर आपकी खूबी खेल में हैं तो आप राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना करियर बना सकते हैं, अगर आपको लगता है कि मैं नेतृत्व कर सकता हूं तो आप राजनीति में जाइए ठीक उसी प्रकार प्रत्येक क्षेत्र की अपनी एक विशिष्ट खूबी है जो आपको पहचाननी है और मैं आपको विश्वास के साथ बताता हूं कि जो बच्चे पढ़ने लिखने में रुचि नहीं रखते हैं उनकी दूसरे सभी क्षेत्रों में टेलेंट, खूबी, स्किल्स कूट कूट कर भरी रहती हैं, आपको केवल अपनी खूबी की पहचान करनी हैं। मैं समाज से भी अनुरोध करता हूं कि बच्चों का परिणाम कम रहने पर उन बच्चों पर और उनके परिवार पर तानेबाजी न करें, आपके और हमारे इन तानों से वह बच्चा गलत कदम उठाता है और अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर बैठते हैं, आप और हम तो कह कर दूर हो जाते हैं लेकिन परिणाम बच्चे के परिवार को भुगतना पड़ता हैं। ऐसे बच्चों को प्रोत्साहित कीजिए उनको शिक्षा के अलावा दूसरे क्षेत्रों के बारे में जानकारी दीजिए उनको लाइफ अपॉर्चुनिटी के बारे में बताइए उनके परिवार के प्रति करुणा और उदारता का भाव व्यक्त कीजिए और अपने दीर्घ विचार और उच्च सोच का परिचय दीजिए।

माँ तुझे प्रणाम योजना 2023-24 आवेदन आमंत्रित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग की राष्ट्रवाद की भावना ओतप्रोत मां तुझे प्रणाम योजना शासन की एक महत्वपूर्ण पहल हैं। इसका प्राथमिक उददेश्य युवाओं में राष्ट्र की सीमाओं प्रति आदर का भाव विकसित करना, भारत की अंतर्राष्टीय सीमाओं पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत कराना, साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण, नेतृत्व विकास का मार्गदर्शन दिया जाना है। योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले के विकासखण्ड स्तर पर 10 युवाओं (05 युवक एवं 05 युवतियों) का चयन क्षेत्र 01 एन.सी.सी., 01 एन.एस.एस., 01 खिला?ी, 01 मेधावी छात्र, 01 स्काउट एवं युवतियां जिनकी आयु 15 से 25 वर्ष 31 दिसम्बर, 2023 तक हो का चयन भारत की अंतर्राष्टीय सीमाओं में से किसी एक स्थल की अनुभव यात्रा के लिए किया जाएगा। योजनान्तर्गत जिले के प्रत्येक विकासखंड पर 23 मई से 10 जून, 2023 तक इच्छुक युवाओं के आवेदन आमंत्रित किए जाते है। इसके पश्चात् कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये युवा कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण विभाग,पुलिस लाईन भिण्ड से सम्पर्क कर सकते

मई के आखिरी सप्ताह या जुन में टांडा बरूड़ से मुस्लिम समाज से याकुब खान ओर उनकी पत्नी अनिशा खान मक्का मदीना हज पर पहुंचेंगे

खरगोन जिले

` मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

खरगोन जिले के नगर बरूड़ में हिन्दू मुस्लिम एकता को लेकर बरूड़ नगर के मुस्लिम समाज के याकुब खान उनकी पत्नी अनिशा खान मई के आखिरी महीने में या फिर जुन महिने में हज के लिए मक्का मदीना के लिए रवाना होंगे इसी को लेकर आज नगर बरूड़ में मजिद के पास इमामबाड़े में हिन्दू मुस्लिम समाज के सभी भाईयों ने मक्का मदीना हज जाने वाले याकुब खान ओर उनकी पत्नी अनिशा खान का इस्तेबाल किया गया फुल माला पहनाकर और गले मिलकर याकुब खान को हिन्दू भाईयों ने मक्का मदीना जाने पर नंबर आने पर टांडा बरूड़ में इमामबाड़े पर एकत्र होकर अलग अलग होकर लाइन में खड़े होकर हाथो में फुलों की माला लेकर याकुब खान को गले में पहनाकर गर्व किया और कहा गया की मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के टांडा बरूड़ से मुस्लिम समाज से याकुब खान ओर उनकी पत्नी अनिशा खान का हज पर जाने का मालिक के यहां से बुलावा आ गया है अब वह इन्दौर या बम्बई से प्लेन से 40 दिन के लिए मक्का मदीना हज पर पहुंच कर अपने रब के दिदार करेंगे ?ओर अपने गांव टांडा बरूड़ जिला खरगोन मध्यप्रदेश और अपने देश के लिए अमन चैन की दुआं करेंगे याकुब खान मक्का मदीना पहुंच कर रब से दुआ करेंगे ऐ रब हमारे गांव देश जिला प्रदेश में सभी भाई हिन्दू मुस्लिम एकता बनीं रहे हैं ऐ रब हमारे मुल्क में अच्छी खासी बारिश हो हमारे गांव में अमन-चैन कायम रहे हिन्दू समाज से दिनेश गुप्ता रामचन्द्र नेता पूर्व कुमरावत समय के अध्यक्ष भोलु कुमरावत वरिष्ठ नेता सुदेश गनवानी ललित सोनी महेश मुस्लिम समाज के सदर अमजद खान एवं मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

रक्तदान मामले में जिला सचिव से की मुलाकात

पुष्पांजलि टुडे - रिपोर्टर खंगारराम मुलेवा

पाली जिला स्थित सादड़ी प्रदेश अध्यक्ष ने रक्तदान के मामले में जिला सचिव से की मुलाकात रक्त कोष फाउंडेशन टीम जितेंद्र कुमार सोनी जिला कलेक्टर अलवर की प्रेरणा से रक्त कोष फाउंडेशन कई मरीजों की जान बचाने प्रदेश अध्यक्ष सुरेश गोयल सुमेरपुर पहुंचने पर रक्त कुछ फाउंडेशन के जिला सचिव भगाराम देवासी से मुलाकात की और बताया की रक्तदान करके सभी लोगों को जागरुक करे 15 अगस्त पर फिर बैनर तले रक्तदान शिविर सादड़ी में करवाया जाएगा ताकि जरूरतमंद मरीजो को समय पर ब्लड मिल सके कई ब्लड बैंक में रक्त की कमी चल रही है हमारी संस्था रक्त कोष फाउंडेशन प्रदेश अध्यक्ष ने कई लोगों को जीवनदान दिया

संचालनालय आयुष मध्य प्रदेश शासन के आदेश अनुसार राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना

दैनिक पुष्पांजली टुडे

लहार के लोधीयन का पुरा मसेरन एवं गोहद ब्लॉक के सर्वा, रौन गोरई मैं आयुष स्वास्थ्य मेले संपन्न मरीजों को निशुल्क औषधियों का किया गया वितरण

भिण्ड । संचालनालय आयुष म.प्र . शासन भोपाल के आदेशानुसार राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना अंतर्गत , जिला आयुष अधिकारी भिंड डॉ . नीलम कुशवाह के नेतृत्व में आयुष विभाग भिण्ड द्वारा आज दिनांक 20/5/2023 को ब्लॉक लहार में शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय लोधीयन का पुरा मसेरन एवं ब्लॉक गोहद में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सर्वा तथा रोन में शासकीय बालक प्राथमिक विद्यालय गोरई में खंड स्तरीय विशाल आयुष मेले का आयोजन किया गया। आयुष मेलों में आमजन को आयुष विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे देवारण्य योजना वैद्य आपके द्वार आयुष क्योर ऐप , योग से निरोग, एचडब्ल्यू सी हर्बल गार्डन अमृत योजना , स्वर्ण प्राशन मिलेट्स के व्यंजन जो स्वास्थ्य के लिए लाभदाई होते हैं उनका प्रदर्शन किया गया, विभिन्न संचारी संचारी रोगों की रोकथाम हेतु योजनाओं का विवरण दिया गया तथा मौसम जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु रितु चर्या लोगों को योग भी कराया गया एवं 21 जून को होने वाले योग दिवस के लिए जुड़ने हेतु प्रेरित भी किया आमवात, संधिवात , प्रदर रोग, रक्ताल्पता, मासिक धर्म संबंधी विकार, वातरोग, उदर संबंधी विकार

दिनचर्या के बारे में जानकारी दी गई एवं आयुष विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं योजना आदि के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही इन आयुष मेलों में विभिन्न योग प्रशिक्षकों के द्वारा मध्यप्रदेश शासन के एकात्म अभियान के तहत गया। इनमें आए हुए लाभार्थियों को विभिन्न प्रकार के औषधि पौधे नीम तुलसी पत्थरचट्टा अर्जुन आदि का वितरण भी निशुल्क किया गया तथा जनमानस को को स्वास्थ्य संबंधी निशुल्क चिकित्सा परामर्श भी दिया गया तथा उनकी विभिन्न व्याधियों जैसे जैसे ग्रहणी ,अर्श,लीवर के विकार, कास, खांसी ,अस्थमा ,विभिन्न प्रकार के चर्म रोग एलर्जी , शिरोविकार माइग्रेन, बच्चों की कमजोरी, कुपोषण, आदि के लिए उनको आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधियां भी उपलब्ध कराई गई।

29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भगवान के 24 अवतारों का वर्णन सुन भावुक हुए श्रद्धालु

श्रीमद भागवत कथा सुनने से प्राणियों का होता है कल्याण-श्रीजी प्रिंयका शास्त्री

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक
पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर दबोह के समीप ग्राम धौरका में 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन प्रारम्भ।यज्ञ में कथा के तीसरे दिवस श्रीजी प्रियंका शास्त्रीजी ने श्रीमद् भागवत महापुराण की अमृत वर्षा से भक्तो कृतारित किया श्रीजी प्रियंका शास्त्री जी ने श्रीमद् भागवत महात्म्य के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शुकदेव जन्म,परीक्षित श्राप और अमर कथा का वर्णन करते हुए बताया कि नारद जी के कहने पर पार्वती जी ने भगवान शिव से पूछा कि उनके गले में जो मुंडमाला है।वह किसकी है तो भोलेनाथ ने बताया कि वह मुंड किसी और के नहीं बल्कि स्वयं पार्वती जी के हैं हर जन्म में पार्वती जी विभिन्न रूपों में शिव की पत्नी के रूप में जब भी देह त्याग करती शंकर जी उनके मुंड को अपने गले में धारण कर लेती हैं।पार्वती ने हंसते हुए कहा हर जन्म में क्या मैं ही मरती हूं आप क्यों नहीं शंकर जी ने कहा कि हमने अमर कथा सुनी है पार्वती जी ने कहा कि मुझे भी वह अमर कथा सबसे अच्छी शंकर जी पार्वती जी को अमर कथा सुनाने लगे शिव-पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अँगूठा था जो

कथा के प्रभाव से फूटा था उसमें से श्री सुखदेव जी का प्राकट्य हुआ।कथा अनेक पार्वती जी सो गई वह पूरी कथा श्री सुखदेव जी ने सुनी और अमर हो गए शंकर जी सुखदेव जी के उनके पीछे मृत्यु देने के लिए दौड़ रहे हैं।सुखदेव जी भागते हुए व्यास जी के करीब पहुंच गए और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए 12 साल बाद श्री सुखदेव जी गर्व से निकले इस तरह श्री सुखदेव जी का जन्म हुआ।कथा व्यास श्रीजी प्रियंका शास्त्री जी ने बताया कि भगवान की कथा विचार, वैराग्य,ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बताती है राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का स्वर प्राप्त हुआ।समाज द्वारा बनाए गए नियम गलत हो सकते हैं भगवान के नियम ना तो गलत हो सकते हैं और नहीं बदले जा सकते हैं कथा व्यास जी ने कहा कि भागवत के चार अक्षरलेखक यह है कि भा से भक्ति, जी से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करते हैं उसे हम भागवत कहते हैं।इसके साथ भागवत के छह प्रश्न,निष्काम भक्ति,24 अवतार श्री नारद जी का पूर्व जन्म,परीक्षित जन्म,कुन्ती देवी के सुख के

अवसर में भी विपत्ति की याचना करती है क्यों कि दुख में ही तो गोविन्द का दर्शन होता है ल।जीवन की अन्तिम बेला में दादा भीम गोपाल का दर्शन करते हुए अद्भुत देह त्याग का वर्णन किया साथ में परीक्षित को श्राप कैसे लगा और भगवान श्री शुकदेव ने मुक्ति प्रदान करने के लिए कैसे प्रगट प्रविष्टि आदि का ब्योरा विवरण दिया साथ ही श्रीमद् भागवत तो दिव्य कल्पतरु है यह अर्थ, धर्म, काम के साथ भक्ति और जीव को परम पद प्राप्त करने की प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल पुस्तक नहीं साक्षात श्रीकृष्ण स्वरुप है इसके एक अक्षर में श्रीकृष्ण समाये हैं।उन्होंने कहा कि कथा समस्त दान, व्रत, तीर्थ, पुण्यादि कर्मो से अधिक है।कथा सुनने वाले भक्त भाव विभोर हो गए कहानी के बीच में मेरी लगी श्याम संग प्रीति और मां की ममता के महत्व का भजन सुनकर भक्त आत्मसात हो गये।

नागेश्वर आश्रम में वैदिक मंत्रों की गूंज- यज्ञाचार्य शिवम् शास्त्री श्रीधाम वृन्दावन ने बताया नागेश्वर आश्रम धौरका में वैदिक मंत्रों की गूंज में विद्वान ब्राह्मणों के वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज व हवन से उठने वाले धुएं से चारों दिशाएं पावन हो रही हैं।एक तरफ यज्ञ तो दूसरी तरफ श्रीमद भागवत कथा प्रवचन रामलीला का कार्यक्रम चल रहा है।ग्राम धौरका में दूर-दूर से श्रद्धालुओं की भी? प्रवचन सुनने के लिए उम? रही है तीसरे दिन यज्ञ प्रबंधक चंद्रशेखर कुशवाहा भगत जी समस्त क्षेत्रवासिओ से अपील की 29 कुण्डीय श्री राधाकृष्ण महायज्ञ सर्वजातिय सामूहिक कन्या विवाह महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ एवं संत प्रवचन आप सभी सनातन धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तों को यह जानकर पर हर्ष होगा कि सुश्री प्रियंका शास्त्रीजी के मुखारविन्द से ÷श्रीमद् भागवत महापुराण ÷ की अमृत वर्षा संत प्रवचन एवं राम कथा का आयोजन किया जा रहा है।आप सभी भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं से आग्रह है कि इस पुण्य अवसर पर निम्न कार्यक्रमानुसार सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित उपस्थित होकर ज्ञानार्जन एवं पुण्य के भागी बनें तथा कार्यक्रम को सफल बनाए आप सभी सादर आमंत्रित है।इस दौरान यज्ञाचार्य शिवम् शास्त्री श्रीधाम वृंदावन,यज्ञ परीक्षत बब्बूराजा गुर्जर(गोटिया) कथा परीक्षत सुनीता अनुरूध सिंह गुर्जर(बड़ेलला)एवं समस्त क्षेत्रवासियो मौजूद रहे।

स्वच्छता राष्ट्रीय मुद्दा ,गंदगी राष्ट्रीय समस्या

इस साल एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए देश भर के स्थानीय निकाय सक्रिय हो गए है। ये पहला देश है जहां स्वच्छता के लिए शहरों को आपस में प्रतिस्पर्द्धा करना पड़ती है ,जबकि ये मामला स्थानीय निकायों से ज्यादा स्थानीय आबादी का है। इस प्रतिस्पर्द्धा के परिणाम आने तक संस्थाओं और जन प्रतिनिधियों के सर पर स्वच्छता का भूत सवार रहता है और सर्वेक्षण के परिणाम आने के बाद ये भूत सर से उतर कर फिर पैरों में बैठ जाता है।

हमारे समाज,संविधान ,सियासत और सिस्टम में स्वच्छता को अब तक राष्ट्रीय समस्या नहीं माना गया ,हालांकि हमारे यहां सरकार ने 2014 से देश में स्वच्छता अभियान राष्ट्रीय स्तर पर चला रखा है। सियासत के लिए स्वच्छता कभी मुद्दा नहीं रही। किसी भी राजनीतिक दल के चुनावी घोषणा पत्र में स्वच्छता को शामिल नहीं किया जाता क्योंकि सियासत जानती है कि वोट और स्वच्छता का परस्पर कोई रिश्ता नहीं है। दुर्भाग्य से हमारे देश में जो मुद्दे नहीं हैं वे मुद्दे माने जाते हैं और जो मुद्दे वास्तव में हैं उन्हें मुद्दा नहीं माना जाता।

देश की आजादी के पहले राष्ट्रपिता [जिनहन कुछ लोग राष्ट्रपिता नहीं मानते] महात्मा गांधी ने पहली बार स्वच्छता को एक मुद्दा बनाया था। वे अपने आश्रमों में तो स्वच्छता को मुद्दा बनाने में कामयाब रहे लेकिन पूरे देश में उन्हें इस मुद्दे पर कामयाबी नहीं मिली। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने देश को दासता से मुक्त कराया, परन्तु %स्वच्छ भारत% का उनका सपना पूरा नहीं हुआ। संयोग देखिये कि देश में भाजपा की सरकार बनने के बाद एक दशक पहले गांधी का ये सपना साकार करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया। 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किये गए इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य गलियों, सड़कों तथा अधोसंरचना को साफ-सुथरा करना और कूड़ा साफ रखना है। यह अभियानआरम्भ किया गया।

देश में स्वच्छता की जरूरत क्यों पड़ी,क्योंकि हर तरफ गंदगी ही गंदगी फैली हुई है और ये गंदगी बाहर से नहीं बल्कि भीतर से हम ही फैलाते हैं। आजादी के 75 साल बाद भी हमें इस गंदगी फैलाने के राष्ट्रीय चरित्र से निजात नहीं मिली। देश में गंदगी और मंहगाई एक रफ्तार से बढ़ी है। हमारी अपेक्षा है कि इन दोनों पर सरकार काबू करे। बेचारी सरकार असहाय है क्योंकि % जस-जस सुरसा वदन बढ़ावा % वाला मामला है। सरकार जितनी कोशिश करती है उससे दोगुनी गति से देश में गंदगी फैलती है। वजह एक ही है की हमने स्वच्छता को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाया ही नहीं। हमारे लिए स्वच्छता घर की देहलीज कि बाहर आकर दम तोड़ देती है।

आपको याद दिला दूँ कि स्वच्छ भारत मिशन विसर्जन उपयोग की निगरानी के जवाबदेह तन्त्र को स्थापित करने की पहल करते हुए सरकार ने 2 अक्टूबर 2019, महात्मा गांधी के जन्म की 150वीं वर्षगाँठ तक ग्रामीण भारत में 1.96 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 1.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण करके खुले में शौंच मुक्त भारत (ओडीएफ) को हासिल करने का लक्ष्य रखा था ,शौचालय बने भी किन्तु अधिकाँश की दशा सोचनीय है ,क्योंकि हम खुले में शौच करना छोड़ने कि लिए तैयार ही नहीं है।

हमारी सरकार देश को स्वच्छ बनाने कि लिए ज्यादा से ज्यादा जो कर सकती है सो करती है। सरकार ने सचिन तेंडुलकर,प्रियंका चोपड़ा,अनिल अंबानी,बाबा रामदेव,सलमान खान,शशि थरूर,तारक मेहता का उल्टा चश्मा धारावहिक के सदस्य,मृदुला सिन्हा,कमल हसन,विराट कोहलीऔर महेन्द्र सिंह धोनी को स्वच्छता अभियान कि प्रचार कि लिए चुना,लेकिन जिस देश ने गांधी की बात नहीं सुनी वो देश इन ख़ास लोगों की बात कैसे सुनते। बेचारे सभी ख़ास लोग हारकर अपने घर बैठ गए। लेकिन सरकार ने हार नहीं मानी। इनके अलावा कुछ और खासलोगों को स्वच्छता कि लिए % ब्रांड एम्बेस्डर % बना दिया। राज्ययोगी ब्रह्मकुमारी दादी जानकीजी,पवन कल्याण,एस पी बालासुब्रह्मण्यम,अमला (अभिनेत्री),के कविता,गुनुपति वेंकट कृष्ण रेड्डी,सुधाला अशोक तेजा,पुलेला गोपीचंद (खिलाड़ी),हम्पी कोनेरू,गैला जयदेव,नितिन ,वी.वी.एस. लक्ष्मण (खिलाड़ी),जे रामेश्वर राव,शिवलाल यादव (राजनीतिज्ञ),बी वी आर मोहन रेड्डी और लक्ष्मी मांचू भी इस अभियान से जुड़े किन्तु जनता को स्वच्छ रहने का मन्त्र याद नहीं करा पाए।

स्वच्छता अभियान को कामयाब बनाने कि लिए जितने ठठकर्म हो सकते हैं वे किये जा रहे है। खुद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अभियान से हास्य अभिनेता कपिल शर्मा , भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान,सौरव गांगुली ,पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ,नागालैंड के तत्कालीन राज्यपाल पद्मनाभ आचार्य ,मशहूर नर्तकी सोनल मानसिंह,ईनाडु समूह कि प्रमुख रामोजी राव ,इंडिया टुडे समूह कि अरुण पुरी,

अखिलेश यादव, स्वामी रामभद्राचार्य, मनोज तिवारी, मोहम्मद कैफ ,देवप्रसाद द्विवेदी राजू श्रीवास्तव सुरेश रैना ,कैलाश खेर,शिल्पा शेट्टी ,

शेखर गुरेराको इस अभियान को कामयाब बनाने कि लिए जोड़ा किन्तु कोई भी काम नहीं आया। आज भी इस अभियान को कामयाब बनाने कि लिए 30 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी और स्कूल और कॉलेज के छात्र इस अभियान में भाग ले रहे हैं।लेकिन कामयाबी है की मीलों दूर खड़ी है।

मेरी जानकारी कि मुताबिक् भारत सरकार ने 15 फरवरी 2016 को सफाई रैंकिंग जारी की।सफाई सेलेक्शन -2016 में 73 शहरों को सफाई और स्वच्छता के आधार पर स्थान देता है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की जांच के लिए सर्वेक्षण किया गया था कि वे कितने स्वच्छ या गंदे थे।सर्वाधिक स्वच्छ 10 शहरों में मध्यप्रदेश कि इंदौर शहर ने इस सोची में अग्रणीय बने रहने का सूत्र तलाश लिया और लगातार नंबर बना हुआ है। राजधानी भोपा। चंडीगढ़,नई दिल्ली, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश),सूरत (गुजरात), राजकोट (गुजरात),गंगटोक (सिक्किम),पिंपरी चिंचवड (महाराष्ट्र),ग्रेटर मुंबई (महाराष्ट्र) भी इंदौर का मुकाबला नहीं कर सके,ऐसे में हमारा शहर ग्वालियर यदि 18 वे स्थान पर है तो कौन सा ताज्जुब है।

कहने का अर्थ ये है कि हम आज भी स्वच्छता को प्रतिस्पर्द्धा से बाहर नहीं ला पाए है। जीवन शैली नहीं बना पाए है। हम सब जानते हैं कि गंदगी का सह उत्पाद कचरा है। केवल दुनिया में हम ही कचरा नहीं उगलते,बल्कि पूरी दुनिया में कचरा एक समस्या है किन्तु भारत में ये सबसे बड़ी समस्या है। दुनिया भर में कूड़े कचरे का निस्तारण एक बड़ी समस्या है। विश्व बैंक के अनुसार 2020 में दुनिया भर में 2.24 अरब टन कचरा पैदा हुआ था। इसका अर्थ यह है हर व्यक्ति ने प्रतिदिन 0.79 ग्राम कचरा पैदा किया। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि जिस तेजी से आबादी बढ़ रही है, उस हिसाब से 2050 में 3.88 अरब टन कचरा पैदा हो जायेगा।

हम मनुष्य स्वस्थ्य रहने कि लिए तमाम सन्देश जानवरों से सीखते हैं। हमारे हजारों साल पुराने आसनों में जानवरों की मुद्राओं का महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे यहां कहा जाता की कुत्ता भी बैठने से पहले अपनी पूछ से सफाई करता है लेकिन हम इंसान कुत्तों से भी नहीं सीखना चाहते। हमें गंदगी प्रिय है। ऐसे में बेचारे स्थानीय निकाय और महात्मा गांधी क्या कर लेंगे ?जागो ! भाई जागो !! समय हाथ से निकला जा रहा है।

नोट दो हजार का
काले धन की पीड़ा
की जब घनघोर उठी
घटा भारी
तब की सत्ता ने
मिलकर मुझे जन्म
देने की तैयारी,

अनंत काल जीवन नहीं यह,क्यों भूल जाते हैं नर नारी
मेरे जन्म समय पर ही घोषणा हुई थी यह एक भारी।

ना माया में फस ना तुम,ना रूप पर मोहित हो जाना,
जो आएगा जाएगा वह यही नियति की विधि हमारी।

फिर भी ना माना यह मानव,करने लगा भारी तैयारी,
जोड़ने काला धन सारा,छपवा लिए दो हजार के नोट भारी।

जिसने जन्म लिया काले धन समाप्ति हेतु वह कैसे इसे बढ़ाएं वह अपने जन्म समय की भविष्यवाणी सबको याद दिलाए।

देखो 'हुआ है अवतरण नोट का पर इसे सहज के ना रखना तुम
समय आने पर इसे प्रतिबंधित किया जाएगा ये याद रखना तुम।

इस रूप की चाहत ,खुशबू गुलाबी नोट की मोहित करती देखो जोड़ने की इस आदत ने लाकर आज रख दी विपदा अब भारी।

अब भर रखी थी जिसने भी जोड़कर अपनी अपनी अलमारी
मीडिया पोस्ट डालें दो हजार के नोट की अनोखी स्मृति सारी।

आशी प्रतिभा दुबे
(स्वतंत्र लेखिका)
ग्वालियर मप्र

भाजपा को अपनी रणनीति पर सोचना होगा

अजीत द्विवेदी,कर्नाटक के चुनाव नतीजों की जैसी व्याख्या भाजपा कर रही है या कम से कम उसके प्रवक्ता टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया के विमर्श में जिस तरह से इसका बचाव कर रहे हैं वह भाजपा के लिए आत्मघाती हो सकता है। यह सही है कि उसने अपना वोट नहीं गंवाया है। वह अपना पारंपरिक 36 फीसदी वोट बचाए रखने में कामयाब रही है। लेकिन उसे समझना होगा कि यह वोट उसकी जीत की गारंटी नहीं है। त्रिकोणात्मक चुनाव में इतने वोट पर चुनाव जीता जा सकता है लेकिन किसी भी राज्य में आमने सामने के चुनाव में यह आंकड़ा बहुत कम है। कर्नाटक की तीसरी पार्टी जेडीएस ने पांच फीसदी वोट गंवाए तो कांग्रेस को भाजपा से 70 सीट ज्यादा मिल गई। भाजपा और कांग्रेस में सात फीसदी वोट का अंतर है लेकिन कांग्रेस को उससे दोगुने से ज्यादा सीटें मिली हैं। इसलिए 36 फीसदी वोट मिलने के नाम पर हर रणनीति का बचाव करना ठीक नहीं है। भाजपा को इस चुनाव से सबक लेना होगा और राजनीतिक मुद्दों से लेकर संगठन तक में अब तक आजमाए जा चुके नुस्खों पर नए सिरे से विचार करना होगा।मिसाल के तौर पर भाजपा का चुनाव जीतने का एक नुस्खा यह है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बदल दो, मंत्रियों को बदल दो, ज्यादा से ज्यादा विधायकों की टिकट काट दो और नए चेहरों को मैदान में उतारो। कुछ राज्यों में यह रणनीति कारगर रही है लेकिन यह कोई रामबाण नुस्खा नहीं है, जो हर जगह काम करेगा। उत्तराखंड और गुजरात में यह योजना सफल रही थी लेकिन कर्नाटक में यह रणनीति पिट गई। भाजपा ने उम्र के हवाले बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाया था। उसको लग रहा था कि येदियुरप्पा को हटाने से उनके ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से भाजपा को मुक्ति मिल जाएगी, एंटी इन्कम्बैंसी भी खत्म हो जाएगी और नया चेहरा होने से लोगों में उम्मीद बंधेंगी। इस रणनीति पर अमल करते हुए भाजपा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि येदियुरप्पा की जगह जो चेहरा लाया जा रहा है वह कितना लोकप्रिय है। इसी तरह एंटी इन्कम्बैंसी कम करने के लिए विधायकों या पूर्व प्रत्याशियों की टिकट काटी गई और राज्य की 224 में से 72 सीटों पर नए चेहरे उतारे गए। इन 72 में से 62 नए चेहरे चुनाव हार गए हैं। जाहिर है सिर्फ चेहरा बदलना पर्याप्त नहीं है। नया चेहरा कितना दमदार है यह ज्यादा अहम है।लेकिन भाजपा इस पर विचार इसलिए नहीं करती है क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा ही काफी है, किसी दूसरे दमदार चेहरे की जरूरत नहीं है। इस सोच की सीमाएं भी कर्नाटक में दिखाई दे गई हैं। प्रधानमंत्री का चेहरा दांव पर लगाने के बावजूद भाजपा वहां कुछ नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री का चेहरा भाजपा के काम नहीं आया क्योंकि स्थानीय स्तर पर जो चेहरे थे लोग उनसे नाराज थे। मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने और जीतने के भरोसे में भाजपा ने अपने कई मजबूत नेताओं को किनारे किए, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ी। उनको अपना मुख्यमंत्री चुनना था, जबकि प्रचार गुजरात और उत्तर प्रदेश के नेताओं के चेहरे पर हो रहा था। कर्नाटक जैसे भाषायी अस्मिता वाले राज्य की संवेदनशीलता का जरा भी ध्यान रखा गया होता तो राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेताओं के चेहरों का एक संतुलन बनाने का प्रयास होता। भाजपा को समझना होगा कि निराकार चेहरों को आगे करके हर जगह मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जा सकता है।इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डबल इंजन की सरकार का एक नैरेटिव बनाया है। सोचें, देश में दशकों तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की ही सरकारें होती थीं लेकिन तब किसी ने विकास के लिए दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार होने यानी डबल इंजन की सरकार की जरूरत नहीं बताई। लेकिन अब हर जगह डबल इंजन की सरकार की जरूरत बताई जाती है। इसके अगर कुछ फायदे हैं तो नुकसान भी है। डबल इंजन की सरकार डबल एंटी इन्कम्बैंसी भी लाती है। उसकी विफलताएं भी दोहरी हो जाती हैं। लोगों का काम नहीं होता है या उनकी मुश्किलें बढ़ती हैं तो उनकी नाराजगी भी दोहरी होती है। वे डबल इंजन की सरकार को डबल फेल यानी दोगुना अक्षम मानने को मजबूर होते हैं। इससे उनका गुस्सा भी डबल होता है और वे दोहरे जोश के साथ नया विकल्प आजमाते हैं। कम से कम कर्नाटक में तो यही देखने को मिला है।कर्नाटक नतीजों के बाद भाजपा को अपने चुनावी एजेंडे के बारे में भी गंभीरता से सोचना होगा। उसे समझना होगा कि हिंदुत्व या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने वाले एजेंडे की भी एक सीमा होती है या उसकी भी एक्सपायरी डेट होती है। हर जगह और हर समय यह एजेंडा नहीं चल सकता है। हो सकता है कि सांप्रदायिक रूप से बहुत संवेदनशील राज्यों में या उत्तर, पश्चिम भारत के राज्यों में यह एजेंडा चले क्योंकि लंबे समय तक मंदिर-मस्जिद और जाति की राजनीति की वजह से इन राज्यों के नौजवानों अपनी आकांक्षाएं गवां चुके हैं या उनकी कोई आकांक्षा कभी पनपी ही नहीं है।

राष्ट्रीय गठजोड़ के फेर में विपक्ष न पड़े!

अजीत द्विवेदीराष्ट्रीय गठबंधन एक मिथक-1= लोकतांत्रिक राजनीति की एक सचाई है कि इसमें विपक्ष जीतता नहीं है, बल्कि चुनी हुई सरकारें हारती हैं। इसलिए विपक्ष का एकजुट होना या राष्ट्रीय गठबंधन बना कर चुनाव जीत लेना एक मिथक की तरह है। हर चुनी हुई सरकार अपनी हार की जमीन खुद तैयार करती है और विपक्ष एकजुट हो या न हो सरकार हार जाती है। कर्नाटक का चुनाव मिसाल है, जहां विपक्ष की आधा दर्जन पार्टियां अलग अलग चुनाव लड़ रही थीं और फिर भी भाजपा को हारना था तो वह हार गई। विपक्ष की एकता बनाने के लिए जिन चुनावों की मिसाल दी जाती है उनमें भी सरकार विपक्ष की एकता से नहीं हारी थी। बोफोर्स के मुद्दे पर हुआ 1989 का चुनाव भी सभी पार्टियां अलग अलग लड़ी थीं। जनता परिवार की पार्टियां जरूर एक हुई थीं लेकिन भाजपा, वामपंथी पार्टियां और दक्षिण भारत के दल अलग अलग लड़े थे। फिर भी राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत वाली सरकार हार गई थी। विपक्ष जीता नहीं था। क्योंकि विपक्ष के सबसे बड़े गठबंधन को भी सिर्फ 143 सीटें मिली थीं, जबकि हारी हुई कांग्रेस ने 197 सीटें जीती थीं। बाद में वीपी सिंह ने भाजपा और लेफ्ट के समर्थन से सरकार बनाई थी। उसके बाद 2004 में भी कोई गठबंधन नहीं हुआ था। लगभग सभी विपक्षी पार्टियां अलग अलग लड़ी थीं और फीलगुड व इंडिया शाइनिंग के मुगालते में भाजपा हार गई थी। चुनाव नतीजों के बाद सरकार बनाने के लिए यूपीए का गठन किया गया था।तभी यह बहुत दिलचस्प है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि अगर विपक्षी पार्टियां एक हो जाती हैं और हर सीट पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार होता है तो भाजपा को हराया जा सकता है। यह दिलचस्प इसलिए है क्योंकि कर्नाटक में कांग्रेस बिना विपक्षी एकता के जीती है। सोचें, जहां त्रिकोणात्मक संघर्ष होने की वजह से भाजपा हारी है वहां के नतीजे के बाद आमने सामने की लड़ाई बनवाने की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है!

कर्नाटक के जनादेश का लोकतांत्रिक संदेश

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत को लेकर किसी किंतु-परंतु के लिए कोई स्थान नहीं है। 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 सीटों पर स्पष्ट विजय मिली है कांग्रेस को। शायद ही इससे पहले कभी कांग्रेस को कर्नाटक में ऐसी विजय मिली होगी। लेकिन क्या कांग्रेस की जीत ही इस चुनाव की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है? इस सवाल को इस रूप में भी पूछा जा सकता है कि महत्वपूर्ण कांग्रेस का चुनाव जीतना रहा है अथवा कर्नाटक में भाजपा का हारना? वैसे देखा जाये तो दोनों बातों का अर्थ एक ही लगता है- कांग्रेस कर्नाटक में जीती है, और भाजपा हारी है। लेकिन हकीकत यह भी है कि कांग्रेस के जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कर्नाटक में भाजपा की हार। यूं तो भाजपा कह सकती है कि कर्नाटक में परंपरा-सी रही है चुनाव-दर-चुनाव सरकार का बदलना, और वह यह कहकर संतुष्ट भी हो सकती है कि राज्य में उसका आधार कमजोर नहीं हुआ, उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव जितना ही रहा है। इस चुनाव में भाजपा को 36 प्रतिशत वोट मिले हैं, 2018 के चुनाव में भी इतने ही वोट मिले थे। लेकिन वोट प्रतिशत का कम न होना कर्नाटक में भाजपा की घटती साख के तथ्य को छिपा नहीं सकता। हकीकत यह है कि चुनाव-प्रचार में हर हथकंडा अपनाने के बावजूद दक्षिण भारत का द्वार भाजपा के लिए बंद हो गया-सा लगता है। चुनाव में कांग्रेस का जीतना भले ही कम महत्वपूर्ण न हो, लेकिन भाजपा का हारना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा का विजय-रथ के रुकने के संदर्भ में भी देख रहे हैं। सन्‌ 2014 में शुरू हुई थी देश में भाजपा की विजय-यात्रा। इसके बाद 2019 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार विजय पायी थी। लगने लग गया था कि अब ताकतवर भाजपा को हराना कमजोर और बंटे हुए विपक्ष के बस का नहीं रहा। एक तयशुदा और सोची-समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी को एक अजेय नेता के रूप में स्थापित किया गया। यह भी इसी रणनीति का हिस्सा था कि 'मोदी' है तो जीत पक्की है, को एक विश्वास के रूप में सामने रखा जाये। पिछले दस सालों में यह विश्वास फला-फूला भी। हकीकत यह भी है कि भाजपा भले ही यह कहती रहे कि पार्टी व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, पर स्थिति यह बना दी गयी थी कि प्रधानमंत्री मोदी और कुछ हद तक गृहमंत्री अमित शाह भी, पार्टी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। कर्नाटक के इस चुनाव ने इस अवधारणा को ध्वस्त कर दिया है। सवाल पूछा जाने लगा है कि यदि चुनावों में जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को ही दिया जाना सही था तो कर्नाटक के इस चुनाव में भाजपा की हार को प्रधानमंत्री मोदी की हार क्यों न माना जाए?

भाजपा नेतृत्व इस सवाल के अर्थ और महत्व को समझ रहा है। इसलिए कोशिश की जा रही है कि कर्नाटक की हार को कमतर आंका जाये। कर्नाटक चुनाव के तत्काल बाद भाजपा ने जिस तरह से मोदी-सरकार के दस साल का जश्न मनाने की शुरुआत कर दी है, वह इसी कोशिश का एक हिस्सा है। अब भाजपा पूरा एक महीना अपने कार्यकाल का जश्न मनायेगी। देशभर में भाजपा के प्रचार-प्रसार के लिए रैलियां आयोजित की जाएंगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस 'जश्न' की शुरुआत प्रधानमंत्री की दो रैलियों के साथ हो रही है। लेकिन भाजपा के लिए इस बात को भुलाना भी शायद ही संभव हो कि कर्नाटक में प्रचार के आखिरी दौर में प्रधानमंत्री की दो 'प्रचंड रैलियों' के बावजूद संभावित हार को जीत में बदलना मुश्किल हो गया था। बहरहाल, भाजपा की आगामी रणनीति पर आगे चर्चा होगी ही। आज तो महत्वपूर्ण यह देखना है कि कर्नाटक में भाजपा की हार का मतलब क्या है? दो मतलब हैं इस हार के, पहला तो यह कि 'कांग्रेस मुक्त भारत' का सपना दिखाने वाली भाजपा के लिए दक्षिण भारत का दरवाजा फिलहाल बंद दिख रहा है। 'भाजपा मुक्त दक्षिण भारत' की यह स्थिति देश की राजनीति की नयी संभावनाओं को जन्म देने वाली है। यह सही है कि पिछले आठ-दस साल में भाजपा की यह चुनावी हार पहली नहीं है, हाल ही की हिमाचल की भाजपा की हार को भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए, पर कर्नाटक में भाजपा की हार के मायने ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। यह तथ्य अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं कि इन चुनावों में भाजपा के बुनियादी दावों को चुनौती दी गयी थी। भाजपा ने जीत के लिए हर हथकंडा अपनाया था। सांप्रदायिकता के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश भले ही कोई नयी बात नहीं हो, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के अंतिम चरण में स्वयं प्रधानमंत्री ने जीत के लिए बजरंगबली का सहारा लेने की कोशिश की, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भाजपा के नेता इस बात को भी बार-बार दुहराते रहे कि बजरंगबली का नाम पहले कांग्रेस ने लिया था। कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गयी थी। कांग्रेस की यह 'चूक' भाजपा को एक 'अवसर' लगी और उसने 'बजरंगबली' को लपक लिया। प्रधानमंत्री ने तो चुनावी सभाओं में यहां तक कह दिया कि मतदाता जब वोट डालने जाएं तो 'बजरंग बली की जय' बोल कर ईवीएम मशीन का बटन दबाएं। इसे धर्म के नाम पर वोट मांगना नहीं कहा जाये तो और क्या कहा जायेगा? ध्यान तो देश के गृहमंत्री की इस बात की ओर भी जाना चाहिए था जब उन्होंने कांग्रेस की जीत के बाद राज्य में स्थिति बिगड़ने की धमकी दी थी। इसे सतही प्रचार के रूप में ही देखा जा सकता है। 'हिजाब हलाल' से शुरू हुआ था चुनाव-प्रचार और बजरंगबली तक जा पहुंचा। इसे पराभव की राजनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के नेतृत्व से कोई चूक ही नहीं हुई। धर्म और जाति का सहारा लेने के उदाहरण यहां भी मिल जाएंगे, पर निस्संदेह कांग्रेस के प्रचार में जोर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोज़गारी पर ही था। यही होना भी चाहिए। स्वस्थ राजनीति का तकाज़ा है कि जनता के हित के बुनियादी मुद्दों के आधार पर राजनीति हो। भाजपा की शुरुआत कुछ-कुछ ऐसी हुई थी। राष्ट्रवाद, आदर्शवाद और नये सोच के नारे के साथ उतरी थी भाजपा मैदान में। पर आज जिस मोड़ पर भाजपा पहुंची है वहां संकीर्णता और जातीयता के जिन्न खड़े हैं। और यह स्थिति भाजपा ने स्वयं पैदा की है। बदलनी चाहिए यह स्थिति। कर्नाटक के चुनाव परिणामों के संदर्भ में भाजपा को यह सोचना ही होगा कि ध्रुवीकरण की राजनीति देश को, और भाजपा को भी, अंतत- अंधेरों में धकेल देगी जहां से प्रकाश की किरण का दिखना भी मुमकिन नहीं होगा।

आप भी इस तरह से ब्लैकहेड्स हटा रहे हैं?

ब्लैकहेड्स चेहरे की खूबसूरती बिगाड़ने का काम करते हैं. ये चेहरे के पोर्स में जमी एक तरह की गंदगी हैं, जो निकालने पर आसानी से नहीं निकलते हैं. सीबम के ज्यादा जमा होने पर भी ब्लैकहेड्स बनते हैं. ये चेहरे पर ब्लैक डॉट्स की तरह नजर आते हैं. नाक के ऊपर, ठोड़ी के पास या कई बार गाल पर भी ब्लैकहेड्स हो जाते हैं. इन्हें समय-समय पर निकालने की जरूरत होती है. हालांकि, इन्हें निकालते वक्त कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए, वरना पूरी स्किन खराब हो सकती है. आइए जानते हैं ब्लैकहेड्स निकालते समय किन-किन बातों का ख्याल रखना चाहिए...नाखून का ना करें इस्तेमालब्लैकहेड्स निकालने समय कभी भी नाखूनों का इस्तेमाल न करें. फेस पर ब्लैकहेड्स की जड़ें अंदर तक होती है. ऐसे में जब आप नाखून से इन्हें निकालते हैं तो दाने निकलने का खतरा बना रहता है. कई बार नाखून से ब्लैकहेड्स निकालते समय घाव भी बन सकता है. यह चेहरे पर निशान छोड़ जाता है.ब्लैकहेड्स रिमूवल का सही यूजब्लैकहेड्स निकालने के बाद कुछ लोग उसे बिना धोए ही रख देते हैं और बाद में ऐसे ही उसका इस्तेमाल करते हैं. इससे स्किन पर पिंपल्स या दूसरी समस्याएं शुरू हो सकती हैं. इसलिए जब भी मेटल ब्लैकहेड्स यूज करें तो उसे कॉटन वाइप से पोंछकर पानी से धोकर रखें.ज्यादा स्क्रब न करेंब्लैकहेड्स को रिमूव करते वक्त लड़कियां उसे ज्यादा स्क्रब करने लगती है. एक हिस्से को ज्यादा रगड़ने से रैशेज हो सकता है. इससे स्किन ड्राई भी हो सकती है, उसमें जलन हो सकती है. इसलिए हार्श स्क्रब के इस्तेमाल से बचें. फेस स्क्रब हल्के हाथों से लगाएं, ज्यादा लगाने से स्किन एलर्जी भी हो सकती है.ऑयली स्किन में ब्लैकहेड्स कैसे निकालेंड्राई स्किन के मुकाबले ऑयली स्किन से ब्लैकहेड्स निकालना काफी मुश्किल वाला काम होता है. ऐसा इसलिए क्योंकि चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल से गंदगी चिपक जाती है. बाद में ये ब्लैकहेड्स बन जाती है. ऑयली स्किन पर एक्स्ट्रा सीबम पोर्स पर जमा हो जाते हैं. ऑयली स्किन से ब्लैकहेड्स निकालने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें. स्किन ड्राई है तो मॉइश्चराइज करें और फिर ब्लैकहेड्स निकालें.सेफ्टी पिन या रेजर का न करें यूजकई बार लोग नाक से ब्लैकहेड्स को हटाने के लिए सेफ्टी पिन या रेजर का इस्तेमाल करते हैं. इससे त्वचा छिलने का डर होता है और परेशानी हो सकती है. चेहरे की स्किन काफी सेंसिटिव और सॉफ्ट होती है, ऐसे में सेफ्टी पिन से ब्लैकहेड्स निकालने से उसे नुकसान हो सकता है. ब्लैकहेड्स निकालने में परेशानी हो तो ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद लें।

यही वो 6 वजहें हैं जिसके चलते नहीं घट रहा है आपका वजन

वजन कम करना एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है. सख्त आहार और घंटो जिम में पसीना बहाने के बावजूद कुछ लोगों को मन मुताबिक परिणाम नहीं मिलता है.ये काफी निराशाजनक हो सकता है.कई लोग डीमोटीवेट हो कर सबकुछ छोड़ बैठते हैं. ऐसा करने से पहले आइए कुछ कारणों का पता लगाएं कि आपका वजन कम क्यों नहीं हो रहा है और इन बाधाओं को दूर करने के लिए आप क्या कर सकते हैं.ज्यादा कैलोरी का सेवनवजन कम करने के लिए लोगों को संघर्ष करने के सबसे आम कारणों में से एक यह है कि वे बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कर रहे हैं.जो लोग स्वस्थ भोजन कर रहे हैं वो तब भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं.अगर आप अपने शरीर की जरूरत से ज्यादा कैलोरी खा रहे हैं.वजन कम करने के लिए, आपको कैलोरी की कमी बनाने की ज़रूरत है, जिसका मतलब है कि आपको उपभोग करने से ज्यादा कैलोरी जलाने की जरूरत है.प्रोटीन कम लेनाप्रोटीन एक आवश्यक पोषक तत्व है जो आपके शरीर में टिशू के निर्माण और मरम्मत के लिए महत्वपूर्ण है. ये मसल मास को बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो वजन घटाने के लिए जरूरी है. जब आप वजन कम करते हैं, तो आप न केवल वसा बल्कि मांसपेशियों को भी खो देते हैं. पर्याप्त प्रोटीन खाने से, आप वजन कम करने के दौरान अपनी मांसपेशियों को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं.प्रति दिन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम कम से कम 0.8 ग्राम प्रोटीन का लक्ष्य रखें.सही नींद ना लेनावजन घटाने के लिए नींद बेहद जरूरी है.नींद की कमी आपके हार्मोन को बाधित कर सकती है, जिसमें इंसुलिन, कोर्टिसोल और घ्रेलिन शामिल हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है. जब आप नींद नहीं ले पाते हैं, तो आपके भोजन के खराब विकल्प और अधिक खाने की संभावना भी अधिक हो सकती है.अपने वजन घटाने के मिशन को पूरा करने लिए प्रति रात 7-8 घंटे सोने का लक्ष्य रखें.पानी कम पीनावजन घटाने के लिए पर्याप्त पानी पीना महत्वपूर्ण है. पानी आपके मेटबॉलिज्म को बढ़ावा देने, भूख को कम करने और आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकता है. प्रति दिन कम से कम 8 गिलास पानी का लक्ष्य रखें और सोडा और जूस जैसे शक्करयुक्त पेय से बचें, जिनमें कैलोरी अधिक हो सकती है.कंसिस्टेंसी नहीं होनावजन घटाने की बात आने पर कंसिस्टेंसी महत्वपूर्ण है. सह परिणाम देखने के लिए आपको अपने आहार, व्यायाम और जीवनशैली की आदतों के अनुरूप होना चाहिए. यदि आप केवल कुछ समय के लिए अपने वजन घटाने की योजना पर टिके रहते हैं, तो हो सकता है कि आपको मनचाहा परिणाम न मिले. एक योजना बनाएं और उस पर टिके रहें, यहां तक कि छुट्टियों के दौरान भी.तनाव होनावजन घटाने पर तनाव का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. जब आप तनावग्रस्त होते हैं, तो आपका शरीर कोर्टिसोल छोड़ता है, जिससे भूख बढ़ सकती है और वजन बढ़ सकता है।

कारों का मेला सुविधा या झमेला

वाहन निर्माता कंपनियों में कारों के उभरते बाजार को भुनाने की होड़ है। उपभोक्ता उन्हें जरूरत कम और स्टेटस सिंबल समझकर ज्यादा खरीदते हैं । वहीं सरकारें कारों की बिक्री को विकास का पर्याय मानती हैं। लेकिन ऐसे में देश में कारों की बढ़ती संख्या के नकारात्मक असर अनदेखे किये जाते हैं । इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ता बोझ ऐसा ही प्रभाव है। गाड़ियों की भारी भीड़ सड़क-पार्किंग में जाम की वजह बनती है। वहीं धुएं -शोर से प्रदूषण समस्या को भी नजरअंदाज किया जाता है। इलेक्ट्रिक वाहन भी अभी समाधान नहीं पेश कर पा रहे। दुनिया में अब ऐसे कई देश और शहर हैं जहां हफ्ते में एकाध दिन कार-फ्री दिवस मनाया जाता है। यानी जिस दिन लोगबाग कार की बजाय पैदल या सार्वजनिक परिवहन के अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां पर्यटन गतिविधियों-रुचियों वाली जगहों पर कारों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी है। इसी तरह कई देशों में इस पर जोर-आजमाइश चल रही है कि लोग पेट्रोल-डीजल की बजाय इलेक्ट्रिक यानी बिजली से चलने वाली कारों को अपनाएं। ऐसे देशों में भारत की गिनती ऊपरी पांत में होती हैं जहां बिजली वाली कारों को लेकर सरकार और आम जन, दोनों में काफी उत्सुकता है। बीते तीन-चार वर्षों में सरकारी प्रोत्साहन और छूटों के बल पर ऑटोमोबाइल यानी वाहन निर्माता कंपनियों में यह होड़ मच गई है कि उनमें से कौन सबसे सस्ती कार या स्कूटर-बाइक लेकर बाजार में आती है। हालांकि इस उत्सकुता का एक पहलू यह भी है कि इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने की घटनाओं और इन्हें चार्ज करने संबंधी समस्याओं के चलते इनकी बिक्री अपने शुरुआती अपेक्षित स्तर तक भी नहीं पहुंच सकी है। लेकिन इससे भी कार कंपनियों का जोश ठंडा नहीं पड़ा है। यह हाल में तब साबित हुआ जब राजधानी दिल्ली के नजदीक बसे ग्रेटर नोएडा में तीन साल के अंतराल के बाद एक बार फिर ऑटो एक्स्पो 2023 का आयोजन 13-18 जनवरी के बीच हुआ। इस आयोजन में यह पहला मौका था, जब तीस से ज्यादा ऑटोमोबाइल कंपनियों ने इस बार अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रदर्शित किया।

निश्चय ही इलेक्ट्रिक कारें और स्कूटर-बाइक कई वजहों से उम्मीद जगा रहे हैं। सरकार के नजरिये से देखें, तो एक कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या को लेकर उसकी प्रतिबद्धताएं हैं। इनके तहत सरकार 2030 से 2050 के बीच कार्बन उत्सर्जन की दर में कटौती के वैश्विक मानकों का पालन करना चाहती है। इसके लिए वह इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियों को छूटें मुहैया करा रही है। कंपनियों को आधारभूत ढांचा और बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। ऑटोमोबाइल कंपनियों को इसमें आगे चलकर भारी मुनाफे की उम्मीद है, ऐसे में वे मौके को भुनाने में जोरशोर से जुटी हुई हैं। जनता के स्तर पर देखें तो पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी जैसा ईंधन भी उनकी जेब पर डाका डाल रहा है। ऐसे में लोगबाग ऐसी कारें और स्कूटर-बाइक तलाश रहे हैं जो प्रति किलोमीटर एक-सवा रुपये खर्च में सवारी उपलब्ध करा सकें। ईंधन खर्च की यह तकरीबन वही लागत है, जिस पर फिलहाल पेट्रोल वाले स्कूटरङ्कबाइक चलते हैं। लेकिन बिजली पर चलने की यह डगर अभी तो आसान नहीं लग रही है। एक के बाद करके कई ऐसी समस्याएं निकलकर सामने आई हैं, जिनके कारण कंपनियों और आम जनता, दोनों का उत्साह बिजली वाहनों को लेकर ठंडा पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। ये समस्याएं क्या हैं, इन पर चर्चा जरूरी है पर क्या ही अच्छा होता अगर हमारे बीच कारें न होतीं। कार को अनिवार्य बनाने वाली जरूरतें अचानक जरूरी नहीं बनी हैं, बल्कि उनके लिए देश और दुनिया में ऐसे कारण पैदा किए गए हैं, जहां कारों का स्कोप बना है। इसकी एक बड़ी वजह है लचर सार्वजनिक परिवहन तंत्र और घर से दफ्तर व अन्य कामकाजी जगहों के बीच की बढ़ती दूरियां।

वैसे तो कारों की बिक्री को देश के विकास की रफ्तार से भी जोड़ा जाता है। ज्यादा कारों की बिक्री से देश के तेज विकास का अंदाजा लगाया जाता है। दावा किया जाता है कि इससे अर्थव्यवस्था की हालत सुधरती है और रोजगार पैदा होते हैं। आज से छह-सात बरस पहले 2016 में जब आयकर विभाग ने एक आंकड़ा जारी किया था कि देश में महज 24.4 लाख करदाताओं ने अपनी सालाना आय दस लाख रुपये से ऊपर घोषित की थी, लेकिन उसी दौरान देश में 25 लाख कारें खरीदी गई थीं। इनमें से 35 हजार कारें ऐसी थीं, जो दस लाख रुपये से ज्यादा की कीमत की थीं और लग्जरी गाड़ी की श्रेणी में गिनी जाती थी। इस विरोधाभास से यह सवाल पैदा हुआ था कि जब लोगों की इतनी आय नहीं है तो आखिर ये कौन लोग हैं जो महंगी कारें खरीद रहे हैं। इसका एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि विरोधाभासी आंकड़ों के बावजूद ऐसी कोई खबर नहीं आती है कि सरकारें कारों की खरीद-बिक्री पर कोई अंकुश लगा रही हैं। इसके उलट ज्यादातर कोशिशें यही हैं कि सरकार कारों की खरीद को बढ़ावा देना चाहती है क्योंकि उसकी नजर में इससे देश की अर्थव्यवस्था को संबल मिलता है और रोजगार पैदा होते हैं। सच्चाई यह है कि कारें आधुनिक विकास का प्रतीक बन गई हैं। ऐसे में चाहे कारें ट्रैफिक जाम लगा रही हों, प्रदूषण में भारी योगदान दे रही हों और सिर्फ स्टेटस सिंबल के तौर पर इस्तेमाल की जाती हों, तब भी उनके प्रति सरकारों, ऑटोमोबाइल कंपनियों और जनता का मोह कम नहीं होता है। आम जनता भी कार को सिर्फ यातायात का साधन नहीं मानती और मौसम की प्रतिकूल स्थितियों में कार के सफर को महज सुविधाजनक सफर के विकल्प के रूप में नहीं देखती। बल्कि हमारे समाज में कारें विलासिता और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यदि ऐसा नहीं होता तो टाटा की सस्ती कार नैनो की बिक्री देश में सबसे ज्यादा होती, पर प्रतिष्ठा (स्टेटस) का सवाल जरूरत के आधार पर इस कदर भारी पड़ा कि टाटा नैनो को बाजार से बाहर हो जाना पड़ा। साफ है कि कुछ महानगरों को छोड़कर शेष देश में सरकार-प्रशासन की मंशा जनता को निजी कारों की तरफ ठेलने की है, इसीलिए सार्वजनिक परिवहन तंत्र को उपेक्षित छोड़ दिया जाता है। पर क्या निजी कारों से यातायात की वास्तव में कोई सुविधा मिलती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण लें, तो यहां यह आंकड़ा सामने आ चुका है कि इस महानगर में कुल ट्रैफिक का 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा निजी कारों का है लेकिन उनसे यात्रा की 20 प्रतिशत से भी कम जरूरत पूरी होती है। ऐसे में कारों का अंधाधुंध उत्पादन और खरीद से शहरों के ट्रैफिक और पर्यावरण पर पड़ रहे दबाव का अंदाजा लग जाता है। अब इस विरोधाभास पर भी नजर डालनी चाहिए कि ट्रैफिक जाम की समस्या को दरकिनार कर फोकस इस पर किया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल की बजाय कारें बिजली से चलें। ग्रेटर नोएडा में हुआ ऑटो एक्स्पो 2023 इसकी मिसाल रहा, जहां पहली बार तकरीबन 30 ऑटोमोबाइल कंपनियों ने अपने-अपने इलेक्ट्रिक वाहन स्कूटर, मोटरसाइकिल, बस, ऑटो रिक्शा आदि प्रदर्शित किए। ऐसा निश्चय ही सरकार के इस इरादे के तहत हुआ जिसके तहत वह देश में कार्बन उत्सर्जन कटौती का वैश्विक लक्ष्य हासिल करते हुए पर्यावरण सुधार का दम भरते नजर आना चाहती ह आम लोगों को इसमें यह गुंजाइश दिख रही है कि लगातार महंगे होते पेट्रोल, डीजल या सीएनजी की बजाय वे सस्ती बिजली से अपनी गाड़ी चला सकते हैं। इस दिलचस्पी का नतीजा है कि मोबिलिटी कंज्यूमर इंडेक्स (एमसीआई) द्वारा जुलाई 2022 में हुए सर्वेक्षण के अनुसार देश के कार खरीदारों में से 52 प्रतिशत लोग इलेक्ट्रिक कार खरीद सकते हैं, बशर्ते उन्हें इनसे जुड़ी समस्याओं का समाधान मिल जाए। उधर ऑटोमोबाइल कंपनियों को भी बिजली वाहनों की बिक्री में बहुत संभावना दिख रही है। मौजूद परिदृश्य देखें तो बिजली वाली कारों-स्कूटरों में आग लगने की घटनाओं, उनकी चार्जिंग प्वाइंट की कमी, पेट्रोल-डीजल वाहनों के मुकाबले ज्यादा कीमत और बैटरी बदलने की लागत (जो लगभग कार या स्कूटर की मूल कीमत की दो-तिहाई होती है) जैसी दिक्कतों ने ग्राहकों को यह विकल्प आजमाने में संकोच पैदा कर रखा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इलेक्ट्रिक वाहन हमारे देश का पर्यावरण सुधारने में सच में मददगार साबित हो सकेंगे। इसके जवाब में यह आंकड़ा काफी रोचक है कि अभी भारत में 58 फीसदी बिजली कोयले से चलने वाले ताप बिजलीघरों से आती है। इलेक्ट्रिक वाहनों की भरमार होने पर बिजली की मांग बढ़ने की स्थिति में इन ताप बिजलीघरों में और कोयला झोंककर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, लेकिन तब उसी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा। कंजर्वेशन एक्शन ट्रस्ट और अर्बन एमिशन के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोयले से बिजली उत्पादन का लक्ष्य 2014 के 159 गीगावॉट की तुलना में 2030 तक 450 गीगावॉट करने का है। इससे कोयले की वार्षिक खपत 660 की तुलना में 180 करोड़ टन बढ़ जाएगी। इसी तरह नीति आयोग का आकलन है कि कोयले से बिजली बनाने से कार्बन डाई-ऑक्साइड का उत्सर्जन पूर्व के 159 करोड़ टन सालाना की बजाय 432 करोड़ टन सालाना हो सकता है। जाहिर है कि इससे पर्यावरण संरक्षण और सुधार का मामला और जटिल हो जाता है। शायद यही वह कारण है कि हाल में स्विटजरलैंड ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की बजाय उनके नियमन का फैसला किया है। स्विस सरकार ने हाल में 'ऑर्डिनेंस ऑन रेस्ट्रिक्शंस एंड प्रोहिबिशन ऑन द यूज ऑफ इलेक्ट्रिक एनर्जी' लाकर साफ कर दिया है कि वहां कुछ चुनींदा सेवाओं के लिए ही इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग की इजाजत होगी। इस अध्यादेश में बिजली उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन (कोयला और तेल) के इस्तेमाल का हवाला दिया गया है जिसके कारण अत्यधिक प्रदूषण पैदा होता है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन समाधान नहीं, पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को और बढ़ाने वाले साबित हो सकते हैं। इतना ही नहीं, इस्तेमाल होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियां और भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती हैं। आंकड़े बता रहे हैं कि साल 2019 में देश में कुल 759,600 इलेक्ट्रिक वाहन बिके। इस बिक्री में 2025 तक दस गुना बढ़ोतरी का अनुमान है। ऐसे में इस्तेमाल के बाद बेकार हो चुकी और फेंकी जाने वाली लीथिमम आयन बैटरियों से भारी मात्रा में निकलने वाले लेड, खतरनाक धातुओं और रसायनों से पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती पैदा हो जाएगी।

देश के कई शहरों में, हालांकि, जनता को आज मेट्रो जैसे कुछ अच्छे सार्वजनिक परिवहन विकल्प मिल गए हैं, लेकिन उनका दायरा और पहुंच ऐसे नहीं हैं कि वे हर गली के करीब पहुंचने वाली बसों और ऑटोरिक्शा का सटीक विकल्प बन सकें। ऐसे में कई बार हालात ये बनते हैं कि लोग घर से मेट्रो स्टेशन तक भी कार से जाते हैं। इसके अलावा आज की नौजवान पीढ़ी मेट्रो या बस-टैक्सी के मुकाबले निजी ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता देती है। यानी युवा या तो खुद की कार रखते हैं या फिर ओला-ऊबर जैसे किराये के विकल्पों पर निर्भर होते हैं। साथ ही, देश में बहुत से कारोबारों और नौकरियों में संपर्क और आवागमन का सिलसिला इतना ज्यादा होता है कि उसके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर आश्रित होकर नहीं रहा जा सकता। साथ ही, कारों को समस्या के रूप में देखने के नजरिये के विरोधियों का मत है कि समस्या कारें नहीं, बल्कि सड़कों व ट्रांसपोर्ट के दूसरे प्रबंधों का अभाव है। जैसे, देश के कुछ इलाकों को छोड़ दें, तो ज्यादातर सड़कें कारों के हिसाब से डिजाइन नहीं की गई। बाजारों में पार्किंग के समुचित प्रबंध नहीं किए हैं। ये ऐसे कारण हैं, जिनके चलते कारें समाधान की बजाय समस्या बन गई हैं। पर ये समर्थक इस ओर नहीं देखते हैं कि अगर सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को चुस्त-दुरुस्त किया जाता, तो कारों की जरूरत ही नहीं होती। इसका एक बड़ा उदाहरण दिल्ली के नजदीक स्थित शहर उसी ग्रेटर नोएडा में देखने को मिलता है, जहां इधर कई बार कारों के मेले यानी ऑटो एक्स्पो का आयोजन हुआ है। इस शहर के अंदर कोई भी सिटी बस सेवा नहीं है। शहर बसने की शुरुआत में कुछेक मौकों पर ऐसी बस सेवा चलाने के बाद प्राधिकरण ने इसे यह कहते हुए बंद कर दिया कि चूंकि शहरवासियों ने इसके इस्तेमाल में रुचि नहीं दिखाई, लिहाजा इसे हो रहे घाटे को देखते हुए बंद करना ही श्रेष्ठ है। जबकि सच्चाई यह है कि सिटी बस सेवा कभी नियमित रूप से शहर के लोगों को नहीं मिली। न तो बस स्टैंड पर ये बसें समय पर दिखाई देती थीं और न ही बस कंडक्टर यात्रियों को लिए गए किराये के बदले टिकट देते थे। घंटों स्टैंड पर खड़े होने के बाद भी बसें नहीं मिलने पर लोगों ने या तो ऑटो रिक्शा व ओला-ऊबर आदि विकल्पों को आजमाना शुरू कर दिया या फिर निजी कारें खरीद लीं।

गर्मियों में त्वचा के लिए सुरक्षा कवच है नारियल तेल, जानें इसके लाभ

गर्मी एक ऐसा मौसम है जब धूप अच्छी नहीं लगती है. लंबे समय तक धूप में रहने से त्वचा रूखी, खुजलीदार और क्षतिग्रस्त हो सकती है. साथ ही, गर्मियों में सनबर्न की समस्या भी बढ़ जाती है और ज्यादा पसीना आने के कारण स्किन पर घमौरियां, मुहासे भी निकलने गलते हैं. हालांकि, गर्मियों में स्किन की सेहत को ठीक रखने के लिए कई प्राकृतिक उपचार हैं जो त्वचा को पोषण देने और उसकी रक्षा करने में मदद कर सकते हैं. एक ऐसा बहुमुखी और प्राकृतिक उपचार जिसका उपयोग त्वचा की विभिन्न समस्याओं के लिए किया जा सकता है, वह है नारियल का तेल. गर्मियों में त्वचा पर नारियल को तेल लगाने के छह फायदे हैं, जो इसके पोषण के लिए फायदेमंद है. गर्मियों में त्वचा पर नारियल तेल लगाने के 6 फायदे- त्वचा को मॉइस्चराइज करता हैनारियल का तेल एक बेहतरीन प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जिसमें फैटी एसिड का एक अनूठा संयोजन होता है जो त्वचा में गहराई तक प्रवेश करता है. यह त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम रखता है. गर्मियों के दौरान, गर्म और आर्द्र मौसम आपकी त्वचा को डिहाइड्रेट कर सकता है, जिससे स्किन पर पपड़ी और सूखापन हो सकता है. नियमित रूप से नारियल के तेल का उपयोग आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करता है, जो इसे सूखने और क्षतिग्रस्त होने से रोकता है.यूवी किरणों से बचाता हैसूरज की पराबैंगनी (यूवी) किरणें आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे सनबर्न और समय से पहले बुढ़ापा आ सकता है. नारियल के तेल में प्राकृतिक सन प्रोटेक्शन फैक्टर (स्क्कस्र) गुण होते हैं, जो इसे एक उत्कृष्ट प्राकृतिक सनस्क्रीन बनाते हैं. हालांकि यह बाजार में मिलने वाले सनस्क्रीन के समान स्तर की सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता है, फिर भी यह सूर्य की हानिकारक किरणों से कुछ सुरक्षा प्रदान करता है. नारियल के तेल को सनस्क्रीन के रूप में इस्तेमाल करने से भी त्वचा को पोषण और मॉइस्चराइज करने में मदद मिल सकती है, जिससे यह नरम और चिकनी हो जाती है.सूजन कम करता हैगर्मियों के दौरान, लंबे समय तक धूप में रहने या कीड़े के काटने से आपकी त्वचा में सूजन हो सकती है. नारियल के तेल में प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो लालिमा और सूजन को कम करने में मदद करते हैं. सूजन वाली त्वचा पर नारियल का तेल लगाने से त्वचा को शांत करने में मदद मिलती है, जिससे जलन और बेचैनी कम होती है.मुंहासे मुंहासे त्वचा की एक आम समस्या है जो गर्मी के महीनों में और भी बदतर हो सकती है. गर्मी और उमस के कारण त्वचा अतिरिक्त तेल का उत्पादन कर सकती है, जिससे रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और ब्रेकआउट हो जाते हैं. नारियल के तेल में प्राकृतिक जीवाणुरोधी गुण होते हैं जो मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं. प्रभावित क्षेत्रों पर नारियल का तेल लगाने से सूजन को कम करने और भविष्य में ब्रेकआउट को रोकने में मदद मिलती है.त्वचा की बनावट में सुधारनारियल का तेल त्वचा की बनावट सुधारने में मदद कर सकता है. इसके प्राकृतिक फैटी एसिड त्वचा को पोषण और हाइड्रेट करने में मदद कर सकते हैं, जिससे यह नरम और चिकनी हो जाती है. नियमित रूप से नारियल के तेल का उपयोग करने से महीन रेखाओं और झुर्रियों की उपस्थिति को कम करने में मदद मिलती है, जिससे त्वचा जवां और अधिक चमकदार दिखती है.प्राकृतिक एक्सफोलीएटरनारियल के तेल का उपयोग प्राकृतिक एक्सफोलिएटर के रूप में भी किया जा सकता है. इसके प्राकृतिक एसिड मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद कर सकते हैं, चिकनी और चमकदार त्वचा प्रकट करते हैं. एक्सफोलिएटर के रूप में नारियल के तेल का उपयोग करने से रोमछिद्रों को खोलने में मदद मिल सकती है, ब्रेकआउट और ब्लैकहेड्स को रोका जा सकता है.नारियल का तेल एक प्राकृतिक उपचार है जो गर्मियों के दौरान आपकी त्वचा को पोषण देने और उसकी रक्षा करने में मदद कर सकता है. इसके मॉइस्चराइजिंग गुण आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड रख सकते हैं और इसे शुष्क और क्षतिग्रस्त होने से बचा सकते हैं. यह सूरज की हानिकारक किरणों से भी कुछ सुरक्षा प्रदान कर सकता है और सूजन को कम करने और मुहांसों से लड़ने में मदद कर सकता है. नियमित रूप से नारियल के तेल का उपयोग करने से त्वचा की बनावट और दिखावट में सुधार करने में मदद मिलती है, जिससे यह युवा और अधिक चमकदार दिखती है. हालांकि, अगर आपको नारियल तेल से एलर्जी है तो इसे इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

अरहर की दाल बनाने का क्या है सही तरीका

अरहर की दाल और चावल का स्वाद हर किसी को पसंद होता है. दाल हर घर में बनाई जाती है. यह जितना स्वादिष्ट होता है, उतना ही सेहतमंद...हर कोई अपनी-अपनी तरह से अरहर का दाल बनाता है. यही कारण है कि हर घर में अरहर की दाल का टेस्ट अलग-अलग होता है. अरहर की दाल 10 मिनट में बनकर तैयार हो जाती है. अगर इसे परफेक्ट बनाना है तो कुछ उपाय अपनाने चाहिए. फिर आपकी दाल खाकर हर कोई उंगलियां चाटता रहेगा. चलिए जानते हैं अरहर की दाल बनाने की परफेक्ट रेसिपी ...स्वादिष्ट अरहर दाल बनाने का तरीका 1. कई महिलाएं अरहर की दाल पानी में बिना भिगोए ही पकाती हैं. जब भी अरहर की दाल पकाएं, उसे 20 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें. ऐसा करने से दाल फूल जाती है. दाल को पानी में भिगोने से पहले 2-3 बार अच्छी तरह धोना चाहिए. कुछ देर बाद दाल फूलकर डबल हो जाती है.2. अब कुकर में दाल से थोड़ा ज्यादा पानी डालकर उसे उबाल लें. इसके बाद दाल कुकर में डाल दें और हल्दी और नमक डालें. कई महिलाएं कुकर में दाल के साथ लहसुन और टमाटर भी डालती हैं लेकिन ऐसा करने से दाल का स्वाद कहीं गायब हो जाता है. इसलिए ये सभी सामान बाद में डालें.3. पहले से ही फूली दाल पकने में ज्यादा समय नहीं लेता है. 1-2 सीटी आने के बाद आंच को बंद कर दें. दाल हमेशा धीमी आंच पर ही पकाएं. जब सीटी पूरी तरह बजना बंद हो जाए तब ही कुकर खोलें. अब दाल मथनी से धीरे-धीरे मैश करें.4. मैश से पता चलता है कि दाल कितनी गाढ़ी है. ज्यादा गाढ़ी दाल में पानी डालकर उसे पतला करने के लिए दोबारा से धीमा आंच पर करीब 2 मिट तक पकाएं. ऐसा करते वक्त कुकर की लिड न लगाएं.5. बहुत सी महिलाएं दाल पकाने से पहले ही तड़का लगा देती हैं, यह सही तरीका नहीं है. दाल पकाने के बाद तड़का लगाना उसके स्वाद को बढ़ा देता है. तड़का लगाने के लिए पैन में घी लें और उसे गर्म करें. इसके बाद उसमें हींग और जीरा डालकर तड़का लगाएं. दाल सर्व करने के लिए तैयार है.दाल को और टेस्टी बनाने क्या करेंअरहर दाल में तड़का लगाते समय करी पत्ता डालें.हरी धनिया पत्ती और हरी मिर्च से दाल को गार्निश करके उसके स्वाद को और भी बढ़ा सकती हैं.प्याज, लहसुन और टमाटर से अरहर की दाल फाई करना उसे स्वादिष्ट बनाना होता है।

कोहली ने छक्के से शतक पूरा किया

सम्मान में झुके साथी प्लेयर्स, अनुष्का को वीडियो कॉल भी लगाया

इंडियन प्रीमियर लीग (द्वक्क) में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्र) ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम पहले बैटिंग करने उतरी स्क्र ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 186 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु ने विराट कोहली के शतक के दम पर 19.2 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। बेंगलुरु की पारी के नौवें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की पहली बॉल उन्होंने गुड लेंथ पर फेंकी। विराट कोहली बैकफुट पर खड़े रहे और आगे की ओर झुककर डीप मिड-विकेट पर छक्का लगा दिया। ये छक्का 103 मीटर लंबा रहा, जो मैच का सबसे लंबा छक्का भी था। इम्पैक्ट- विराट कोहली ने पहले ओवर से स्क्र के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने लगातार बड़े-बड़े शॉट्स लगाए और स्क्र को मैच में वापसी करने का मौका नहीं दिया। बेंगलुरु की पारी में ग्लेन फिलिप्स ने बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस का आसान कैच छोड़ दिया। चौथे ओवर में कार्तिक त्यागी गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की दूसरी बॉल उन्होंने शॉर्ट पिच फेंकी। डु प्लेसिस ने पुल शॉट खेला। बॉल डीप मिड-विकेट पर खड़े ग्लेन फिलिप्स के पास गई। फिलिप्स बॉल के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। इम्पैक्ट- कैच छूटने के वक्त डु प्लेसिस 8 रन पर बैटिंग कर रहे थे। उन्होंने 71 रन की पारी खेली और विराट कोहली के साथ 172 रन की पार्टनरशिप कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। मैच के बाद विराट कोहली अपनी वाइफ अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका से वीडियो कॉल पर बात करते नजर आए। अनुष्का अक्सर बेंगलुरु में ऋष्टक्र के मैच के देखने आती हैं, लेकिन वह हैदराबाद में मैच

देखने नहीं आ सकीं। ऐसे में कोहली ने वीडियो कॉल पर ही अपनी फैमिली से बात की। नौवें ओवर में फाफ डु प्लेसिस आउट होने से बाल-बाल बच गए। ओवर की पांचवीं गेंद नीतीश रेड्डी ने शॉर्ट पिच फेंकी। डु प्लेसिस ने शॉट खेला, लेकिन डीप मिड-विकेट पर खड़े मयंक डागर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ लिया। फील्ड अंपायर ने बैटर को पवेलियन जाने से रोका। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि बॉल ओवर की दूसरी बाउंसर थी, इस कारण उसे नो-बॉल करार दिया गया। नीतीश ने ओवर की दूसरी गेंद भी कंधे से ऊपर बाउंसर फेंकी थी। टी-20 क्रिकेट के एक ओवर में गेंदबाज को एक ही बाउंसर फेंकने की परमिशन है, ऐसे में नो-बॉल के कारण डु प्लेसिस को 41 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला। इम्पैक्ट- डु प्लेसिस इस बार नो-बॉल होने के कारण आउट होने से बच गए। उन्होंने 19वें ओवर तक बैटिंग की और अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। विराट कोहली ने द्वक्क में 4 साल बाद शतक जड़ा। उनके शतक पूरा करने का स्टाइल भी शानदार रहा। 18वें ओवर में विराट 94 पर बल्लेबाजी कर रहे थे। भुवनेश्वर कुमार ने ओवर की चौथी बॉल पर लेग स्टंप पर फुलर लेंथ फेंकी। कोहली ने क्रीज पर अंदर खड़े रहकर डीप मिड-विकेट पर छक्का लगाया और अपना शतक पूरा कर लिया। इम्पैक्ट- कोहली के शतक ने बेंगलुरु को एकतरफा जीत दिलाई। कोहली शतक लगाने के बाद अगली ही बॉल पर आउट हो गए, लेकिन उनके पवेलियन लौटने के बाद ऋष्टक्र को 13 बॉल पर महज 15 रन की जरूरत थी। टीम ने 9 ही गेंदों पर इसे हासिल कर लिया। बेंगलुरु के गेंदबाज माइकल ब्रेसवेल ने तीन बॉल में ही दो विकेट झटक लिए। पहली पारी में पांचवें ओवर की पहली ही बॉल पर उन्होंने अभिषेक शर्मा का विकेट लिया। अभिषेक ने कवर पॉइंट पर शॉट खेला, जिसे महिपाल लोमरोर ने आगे की ओर डाइव लगाकर कैच कर लिया। दूसरी बॉल पर एक रन जाने के बाद तीसरी बॉल पर उन्होंने एक और विकेट झटक लिया। ब्रेसवेल ने मिडिल स्टंप पर गुड लेंथ बॉल फेंकी। राहुल त्रिपाठी ने स्कूप शॉट खेला, लेकिन वे शॉर्ट फाइन लेग पर हर्षल पटेल को कैच दे बैठे।

फ्रेंच ओपन में नहीं खेलेंगे नडाल

2005 में डेब्यू करने के बाद पहली बार नहीं लेंगे हिस्सा, अगले साल ले सकते हैं संन्यास

स्टार टेनिस प्लेयर राफेल नडाल चोट के कारण फ्रेंच ओपन 2023 में नहीं खेलेंगे। सबसे ज्यादा 14 बार फ्रेंच ओपन का टाइटल जीतने वाले नडाल 2005 में डेब्यू करने के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नडाल ने गुरुवार को घोषणा की कि कूल्हे की चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन से हट रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि 2024 उनके प्रोफेशनल करियर का अंतिम साल होगा। फ्रेंच ओपन पेरिस में 28 मई से शुरू होकर 11 जून तक चलेगा। 36 साल के नडाल ने स्पेन में अपनी टेनिस अकादमी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा, %2024 मेरे प्रोफेशनल करियर का आखिरी साल हो सकता है। मैं 100 प्रतिशत

नहीं कह सकता क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि क्या होने वाला है। यह एक निर्णय है, जो मेरा शरीर ले रहा है। दोबारा खेलने से पहले मैं छुट्टी ले रहा हूं। लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले नडाल ने पिछले साल 14वीं बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। जब नडाल ने पिछले साल 36 साल की उम्र में ट्रॉफी जीती तो वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज चैंपियन बने थे। नडाल ने फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते हैं और उन्हें सिर्फ तीन बार हार का सामना करना पड़ा है जो किसी भी एक ग्रैंडस्लैम में महिला और पुरुष वर्ग में विश्व रिकॉर्ड है। वह जनवरी, 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर से बाहर हो गए थे। उन्हें सीधे सेटों में हार मिली थी।

जंतर-मंतर पर रेसलर्स से मिलने पहुंचे सचिन पायलट

बोले- निष्पक्ष जांच होनी चाहिए; 21 मई को महम चौबीसी पर खापों की महापंचायत

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने का आज 27वां दिन है। खापों द्वारा महापंचायत कर सरकार को दिए गए अल्टीमेटम के अब सिर्फ 2 ही दिन बचे हैं। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। ऐसे में 21 मई के बाद इस धरने व आंदोलन को बड़ा रूप दिया जा सकता है। धरने पर आज राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी खिलाड़ियों से मिलने व उनका समर्थन करने पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि 21 मई को महम चौबीसी पर खाप पंचायत होगी। जिसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा के सभी खापों के जन प्रतिनिधि आएंगे। आगे का फैसला वहां लिया जाएगा। जब तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होगी, जब तक पुलिस पूछताछ नहीं करती, धरना जारी रहेगा। आगे की रणनीति खाप पंचायतों की होगी। महम में आगे का फैसला लिया जाएगा। कुछ पत्रकार भी उल्टे सवाल पूछकर मुद्दे को गलत दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। पहले जातियों में बांटा आंदोलन, फिर स्टेट का मुद्दा बनाया। हम उन लड़कियों के साथ में हैं। जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, हम उनके साथ रहेंगे। वहीं, एक यू-ट्यूबर को दिए इंटरव्यू में बृजभूषण ने खिलाड़ियों को लेकर कई तरह की बातें कही हैं। बृजभूषण ने खिलाड़ियों के मेडल लौटाए जाने की बात पर कड़ी टिप्पणी की ही है। उन्होंने कहा है कि मेडल की कीमत तो 15 रुपए है। अगर वापस करना ही है तो करोड़ों रुपए का नकद पुरस्कार करें। उन्होंने कहा कि जो पैसा फेडरेशन, सरकार, जनता ने उन्हें दिया है। गांव-गांव में मान-सम्मान हुआ है। जिसकी कीमत कई करोड़ रुपए है। ये वापस करें, तब मेडल वापस माने जाएंगे। इस खेल के बदौलत नौकरी मिल गई है, मेडल लौटा भी देंगे तो क्या होगा। सारा पैसा ब्याज समेत वापस लौटाएं। पहलवानों के मेडल को 15 रुपए का बताने पर इस पर साक्षी मलिक ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि गुड्डे-गुड़िया से खेलने की उम्र से अखाड़े की मिट्टी को दोस्त बनाया।

पुडुचेरी में होंगे राष्ट्रीय पायथियन खेल : राजेश जोगपाल

चंडीगढ़। आधुनिक पायथियन खेलों के संस्थापक और अंतर्राष्ट्रीय पायथियन परिषद के महासचिव बिजेंदर गोयल के नेतृत्व में 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी से मुलाकात कर पायथियन खेलों के संबंध में चर्चा की। इस दौरान पुडुचेरी सरकार पहले राष्ट्रीय पायथियन खेलों की मेजबानी करने पर सहमत हो गई है। पाइथियन काउंसिल आफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव राजेश जोगपाल ने पुडुचेरी सरकार का इस आयोजन की मेजबानी के लिए सहमति देने पर आभार व्यक्त किया। जोगपाल ने बताया कि भारत ने इस खेलों के विकास के लिए काम शुरु किया है। हाल ही में एक इंटरनेशनल कांफ्रेंस हुई थी, जिसमें 94 से अधिक देशों ने भाग लिया। इसके बाद 16 देशों की एक बॉडी बना दी है। जबकि 8 देश अपनी बॉडी जल्दी ही तय करेंगे। राजेश ने बताया कि पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी से प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2023 और 2024 में प्रथम राष्ट्रीय पायथियन खेलों, राष्ट्रीय पायथियन पुरस्कार और विकलांग क्रिकेट लीग के आयोजन में सरकार के साथ संभावित सहयोग के बारे में चर्चा की। इसमें 10,000 लोगों तक की भागीदारी के साथ इन आयोजनों का उद्देश्य भारतीय कला रूपों को बढ़ावा देना और पुनर्जीवित करना है। अंतर्राष्ट्रीय पायथियन परिषद के महासचिव बिजेंदर गोयल ने कहा हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पर्यटन मंत्री के. लक्ष्मीनारायणन पुडुचेरी में इन खेलों की मेजबानी के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। अब हम माडल पर काम करेंगे और उन्हें सरकार के सामने पेश करेंगे। मेजबानी इंटरनेशनल पाइथियन और गैर-लाभकारी संगठनों डेल्फिक इंडिया ट्रस्ट और पाइथियन काउंसिल आफ इंडिया द्वारा एक संयुक्त प्रयास होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजरा महोत्सव का आयोजन भारत के समृद्ध पारंपरिक खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की घोषणा के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किया जाएगा। मॉडर्न पाइथियन गेम्स का उद्देश्य पुडुचेरी राज्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडिंग प्रदान करना और भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और जश्न मनाने के साथ-साथ राजस्व उत्पन्न करना है। प्रतिनिधिमंडल ने खेल और युवा मामलों के मंत्री ए नमस्सिवम और डिप्टी स्पीकर राजावेलु के साथ बैठकें कीं। अंतर्राष्ट्रीय पाइथियन काउंसिल के उप महासचिव एस शिव कुमार, प्रसिद्ध कलाकार और सामाजिक कार्यकर्ता मलाथी राजावेलु और वाणिज्यिक कर के पूर्व आयुक्त एम राजशेखर प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य थे।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 25 मई से, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 मई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करेंगे। इस दौरान 200 विश्वविद्यालयों से आ रहे 4,700 खिलाडियों को संबोधित करेंगे। यह राजधानी लखनऊ के बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, केन्द्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर तथा केन्द्रीय खेल राज्यमंत्री निसिथ प्रमाणिक भी मौजूद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव, खेल एवं युवा कल्याण नवनीत सहगल ने बताया कि 25 मई को बाबू बनारसी दास (बीबीडी) यूनिवर्सिटी में खेलों

को शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। समारोह में मशहूर गायक कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। शुभारंभ समारोह में प्रदेश के सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी। डाक्टर सहगल ने बताया कि उत्तर प्रदेश सहित देश के सभी राज्यों के मंत्रीगण को शुभारंभ समारोह में आमंत्रित किया जा रहा है। समारोह में शामिल होने वाले सभी आगंतुकों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा जायेगा। कार्यक्रम स्थल की जानकारी से संबंधित जगह-जगह साइनेज लगाये जायेंगे। एअरपोर्ट पर हेल्प डेस्क स्थापित रहेगी। बीबीडी में वाहनों के पार्किंग का अच्छा प्रबंध रहेगा।

ओलिंपियन सुशील कुमार केस में गवाहों को धमकियां

मारे गए सागर धनखड़ के घर पुलिस वर्दी में घुसे बदमाश

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में दिवंगत पहलवान सागर धनखड़ का पहलवान खौफ के साये में है। मां सविता और पिता अशोक धनखड़ को धमकियां मिल रही हैं कि वे सागर हत्याकांड में समझौता कर लें। नहीं तो उनको और गवाहों को फंसा दिया जाएगा। सागर की हत्या के आरोप में ओलंपियन सुशील पहलवान जमानत पर है। उसको बचाने के लिए परिवार पर दबाब डाला जा रहा है। परिजनों की मानें तो 3-4 दिन पहले एक ठेकेदार और बदमाशों के साथ घर में घुस गया और उनको धमकी दी। कुछ युवक पुलिस की ड्रेस में भी थे। सुशील पहलवान पर कोर्ट में आरोप तय हो चुके हैं। बता दें कि 4-5 मई 2021 की रात दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में ओलंपियन सुशील कुमार अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचा था। उसने

सागर को डंडे से बुरी तरह से पीटा। बाद में सागर की अस्पताल में मौत हो गई। सुशील कुमार द्वारा सागर से की जा रही मार पिटाई का वीडियो वायरल हुआ था। 17 दिन बाद 23 मई को सुशील कुमार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार, अंतरराष्ट्रीय पहलवान अनिरुद्ध दहिया और 16 अन्य के खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश और आपराधिक साजिश जैसे आरोप तय हो चुके हैं। सागर धनखड़ हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला था। उसके पिता अशोक धनखड़ और मां सविता अभी भी सोनीपत में रहते हैं। जिन दिनों उसकी हत्या हुई वह सुशील के फ्लैट में रहता था। छत्रसाल स्टेडियम में ही अन्य पहलवानों के साथ प्रैक्टिस करता था। आरोप लगा था कि सागर ने फ्लैट का 40 हजार रुपए किराया नहीं दिया था। इससे सुशील कुमार खफा हो गया था। वहीं यह भी कहा गया कि सागर को पहलवानी में आगे बढ़ता देख कर सुशील खुशी नहीं था। छत्रसाल स्टेडियम में उसकी सत्ता को चुनौती मिल रही थी। दिवंगत पहलवान सागर धनखड़ के पिता अशोक धनखड़ का कहना है कि वे अपने हेल्थ चेकअप को लेकर दिल्ली बालाजी हॉस्पिटल में गए हुए थे। इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मी और अमित रोलद उसके घर पहुंच कर उनकी पत्नी सविता को धमकी देकर गए हैं कि सुशील पहलवान को बाहर निकलवाने को लेकर राजीनामा कर लो नहीं तो गवाह को भी फंसा दिया जाएगा।

रोमांचक मुकाबले में दिल्ली ने पंजाब को 15 रनों से हराया

धर्मशाला। आईपीएल 2023 में प्लेऑफ की दौड़ से सबसे पहले दिल्ली कैपिटल्स ही बाहर हुई थी। अब आखिरी दो मुकाबले डेविड वॉर्नर की टीम के लिए सम्मान बचाने की चुनौती भर थी। धर्मशाला में खेले मुकाबले में दिल्ली ने पंजाब किंग्स को हरा दिया। इस हार के साथ ही क्कक्च्यस् के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी धाराशायी हो गई हैं। इस मैच के नतीजे के बाद अब प्लेऑफ की जंग रोमांचक होती दिख रही है। आरसीबी और मुंबई इंडियंस दोनों के पास 16 प्वाइंट्स तक पहुंचने का मौका है। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 2 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए थे। अपने कमबैक मैच में पृथ्वी शॉ ने शानदार 54 रन बनाए। राइली रूसो नाबाद रहे और उन्होंने 37 गेंदों में 82 रन ठोक डाले। डेविड वॉर्नर ने भी 46 रनों की पारी खेली और दिल्ली ने जीत के लिए अच्छा टारगेट सेट किया था। पंजाब के लिए दोनों विकेट सैम करन ने लिए। पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान शिखर धवन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद ओपनर प्रभासिमरन सिंह भी सिर्फ 22 रन ही बना सके। हालांकि लियाम लिविंगस्टोन और अथर्व ताइडे ने मोर्चा संभाला और दिल्ली के गेंदबाजों की खूब धुनाई की। 55 के निजी स्कोर पर अथर्व को रिटायर हर्ट होना पड़ा। एक छोर से गिरते विकेट के बीच लिविंगस्टोन डटे रहे और पंजाब की

जीत की उम्मीदों को बनाए रखा। जितेश शर्मा इस मुकाबले में कुछ खास नहीं कर पाए और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। बरार ने चार ओवर में 30 रन देकर चार विकेट चटकाए। फॉर्म में चल रहे साल्ट (17 गेंद में 21 रन) उनका पहला शिकार बने। खलील अहमद की जगह उतरे इंपैक्ट खिलाड़ी मनीष पांडे खाता भी नहीं खोल सके और बरार का चौथा शिकार रहे। राहुल चाहर ने मिशेल मार्श (तीन) और अक्षर पटेल (एक) को पवेलियन भेजा। नाथन एलिस को भी दो विकेट मिले। वॉर्नर ने दिल्ली के लिए सर्वाधिक 50 रन बनाये और 23 गेंद की पारी में दस चौके तथा एक छक्का लगाया। उन्होंने आते ही रिषि धवन को पहली दो गेंदों पर दो चौके जड़कर इरादे जाहिर कर दिये थे लेकिन दूसरे छोर से उन्हें मदद नहीं मिली। इससे पहले पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह के शतक की बदौलत पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 167 रन बनाए। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में प्रभसिमरन ने 103 रन बनाए। ईशांत शर्मा ने दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ओवर में ही सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का विकेट गंवाया। धवन 7 रन बनाकर आउट हुए। ईशांत शर्मा ने अपने अगले ओवर में लियाम लिविंगस्टन को भी आउट कर दिया। वह 4 रन ही बना सके। जितेश 5 और सैम करन ने 24 गेंद में 20 रन बनाए। करन और प्रभसिमरन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। इस बीच प्रभसिमरन ने 61 गेंद में शतक पूरा किया। कुलदीप यादव ने अपने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर हरप्रीत बरार (2) को मिशेल मार्श के हाथों लपकवाया। प्रभसिमरन ने इसी ओवर में बैकवर्ड स्कवेयर लेग पर छक्का और गेंदबाज के सिर के ऊपर से चौका लगाकर स्कोरबोर्ड को गतिमान रखा। उन्होंने 18वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद में खलील अहमद को चौके जड़कर अपना पहला शतक पूरा किया। बाईस बरस के इस बल्लेबाज ने 61 गेंद में दस चौकों और छह छक्कों की मदद से तिहरे अंक को छुआ। उनका पारी का अंत मुकेश कुमार ने किया जिन्हें 19वें ओवर में गेंद सौंपी गई थी। उन्होंने इस ओवर में महज तीन रन देकर प्रभसिमरन का कीमती विकेट लिया।

शाहिद कपूर संग बनी पूजा हेगड़े की जोड़ी, एक्शन थ्रिलर कोई शक में साथ आएंगे नजर

शाहिद कपूर हाल में अपने ओटीटी डेब्यू फर्जी को लेकर सुर्खियों में थे तो पूजा हेगड़े किसी का भाई किसी की जान में नजर आई थीं। बीते दिनों खबर आई कि शाहिद एक थ्रिलर फिल्म के लिए रोशन एंड्रयूज के साथ बातचीत कर रहे हैं तो अब इससे जुड़ी बड़ी अपडेट सामने आई है। दरअसल, इस फिल्म कोई शक में शाहिद के साथ पूजा की जोड़ी बनने जा रही है। यह पहली बार होगा, जब दोनों एक साथ नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्र से जानकारी मिली है कि रोशन और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने पूजा को मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना है। फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो के साथ मिलकर सिद्धार्थ कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, रोशन और सिद्धार्थ एक नई कास्टिंग के साथ आगे बढ़ना चाहते थे और ऐसे में उन्होंने शाहिद के साथ पूजा को चुना है। यह एक एक्शन थ्रिलर है और टीम इसे फ्लोर पर ले जाने के लिए उत्साहित है। फिल्म में लगेगा अभी समयसूत्र ने आगे फिल्म के नाम के बारे में कहा, लंबे समय से फिल्म के नाम पर विचार किया जा रहा था और अब टीम ने आखिरकार फिल्म का नाम कोई शक रखा है, जो एक्शन के साथ मर्डर मिस्ट्री के लिए एकदम सही बैठता है। सूत्र ने कहा, फिल्म 8 मई को फ्लोर

पर जाने वाली थी, लेकिन शूटिंग शेड्यूल अभी तक तैयार नहीं किया गया है। ऐसे में अब फिल्म में देरी की संभावना है। शाहिद ने अभी नहीं दी फिल्म के लिए तारीखसूत्र ने बताया कि शाहिद दिल राजू के लिए अनीस बज्मी के साथ कॉमेडी फिल्म कर रहे हैं और उसके शेड्यूल के बाद ही इस फिल्म की शूटिंग के बारे में स्थिति स्पष्ट होगी। सूत्र ने कहा, शाहिद को अभी अपनी तारीखों के बारे में फैसला करना है, लेकिन इस बात की भी संभावना है कि शाहिद इस थ्रिलर फिल्म से पहले अनीस बज्मी की फिल्म शुरू कर सकते हैं। अगले 15 दिनों में उनका शेड्यूल पता चल जाएगा। शाहिद और पूजा की आगामी फिल्मेंशाहिद कृति सैनन के साथ दिनेश विजान की अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का हिस्सा हैं, जिसका पोस्टर भी सामने आ चुका है। इसके अलावा वह अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित ब्लडी डैडी में नजर आएंगे। पूजा की बात करें तो वह जन गण मन में विजय देवरकोंडा और जाह्नवी कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा पूजा महेश बाबू के साथ एसएसएमबी28 में भी दिखाई देंगी, जो अगले साल जनवरी में रिलीज के लिए तैयार है।

जॉन अब्राहम ने निखिल आडवाणी संग मिलाया हाथ

एक्शन फिल्म में शरवरी वाघ संग देंगे दिखाई

यशराज फिल्म्स की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान में खलनायक की भूमिका निभाकर लोगों का दिल जीतने वाले जॉन अब्राहम आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में उनकी पठान की सफलता के बाद कॉमेडी फिल्मों से दूरी बनाने की खबरें सामने आई थीं तो अब वह निखिल आडवाणी के साथ एक एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में जॉन के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, जॉन ने 2019 में आई एक्शन थ्रिलर बाटला हाउस के बाद आडवाणी के साथ फिर से हाथ मिलाया है। अभिनेता सच्ची घटनाओं से प्रेरित आडवाणी की एक्शन ड्रामा में नजर आएंगे। इस अनटाइटल्ड फिल्म में जॉन और शरवरी के अलावा अभिषेक बनर्जी मुख्य भूमिका में होंगे। आडवाणी के बैनर एम्मे एंटरटेनमेंट ने जी स्टूडियोज के साथ फिल्म का निर्माण किया है। अभी इसका प्री-प्रोडक्शन का काम हो रहा है और शूटिंग जुलाई में शुरू होगी। पहले अधूरी रह गई थी जॉन और आडवाणी की योजना जॉन और आडवाणी ने इससे पहले 2018 में 1911 के फुटबॉल मैच पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा बनाने की घोषणा की थी, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक निर्णायक भूमिका निभाई थी। यह फिल्म भारत के प्रमुख फुटबॉल क्लब मोहन बागान के बारे में थी, जिसने 1911 के इंडियन फुटबॉल एसोसिएशन (ढ्ढस्न्र) शील्ड अभियान में एक ब्रिटिश रेजिमेंटल टीम ईस्ट यॉर्कशायर रेजिमेंट को हराकर इतिहास रचा था। हालांकि, फिल्म कोरोना वायरस और वित्तीय बाधाओं के चलते बंद हो गई। इन कॉमेडी फिल्मों को छोड़ चुके हैं जॉनरिपोर्ट्स के अनुसार, पठान की सफलता के बाद जॉन अब कॉमेडी फिल्मों को छोड़ एक्शन फिल्मों पर ध्यान देना चाहते हैं। ऐसे में उन्होंने साजिद खान की कॉमेडी फिल्म 100त्न से किनारा कर लिया है, जिसमें रितेश देशमुख, नोरा फतेही और शहनाज गिल मुख्य भूमिका में शामिल हैं। इसके अलावा उनके आवारा पागल दीवाना 2 छोड़ने की भी खबरें हैं, जो अक्षय कुमार और शाहिद कपूर की 2002 में आई आवारा पागल दीवाना का सीक्वल है। जॉन की आगामी फिल्मेंजॉन शिवम नायर की द डिप्लोमैट खत्म करने के बाद आडवाणी की फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। द डिप्लोमैट एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से एक भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस रोमांचक थ्रिलर में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा जॉन दिनेश विजान की तेहरान में मानुषी छिल्लर के साथ दिखाई देंगे, जो इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्रभास और सिद्धार्थ आनंद की पैन इंडिया फिल्म पर लगी रोक

पठान की सफलता के बाद से ही निर्देशक सिद्धार्थ आनंद सुर्खियों में बने रहते हैं। पिछले काफी समय से निर्देशक के साउथ अभिनेता प्रभास के साथ पैन इंडिया एक्शन फिल्म लेकर आने की खबरें सामने आ रही थीं। 2019 में वॉर की रिलीज बाद से ही मैत्री प्रोडक्शन के साथ मिलकर उनकी फिल्म बनाने की योजना थी। इसके लिए सिद्धार्थ को 65 करोड़ देकर साइन भी कर लिया गया, लेकिन अब आधिकारिक तौर पर फिल्म पर रोक लग गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि सिद्धार्थ ने फिल्म के लिए एडवांस के तौर पर मिली फीस को वापस लौटा दिया है। इसके साथ ही मैत्री मूवी मेकर्स और सिद्धार्थ ने किसी और प्रोजेक्ट पर साथ काम करने का फैसला किया है। सूत्र ने कहा, सिद्धार्थ आनंद और प्रभास की तारीख मेल नहीं खा रही थी, जिसके बाद अंत में फिल्म को बंद करने का फैसला लिया और सभी अलग हो गए। कई भाषाओं में आने वाली थी फिल्म सिद्धार्थ और प्रभास की यह पैन इंडिया फिल्म मूल रूप से हिंदी और तेलुगू में बनने की संभावना थी। इसके बाद फिल्म को तमिल, कन्नड़ और मलयालम में डब किया जाना था। हालांकि, अब फिल्म पर रोक लग गई है। मैत्री मूवी मेकर्स प्रोडक्शन कंपनी के मालिक और निर्माता नवीन येरनेनी ने एक चैट शो के दौरान इस फिल्म की ओर इशारा किया था, जिसके बाद से ही प्रशंसक फिल्म के इंतजार में थे। समय मिलने पर फिर शुरू हो सकता है काम?सूत्र ने कहा, सिद्धार्थ और प्रभास इस समय भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे व्यस्त सितारों में से हैं। उन्होंने अगले कुछ वर्षों के लिए अपनी तारीखें पहले से ही दे रखी हैं। ऐसे में दोनों इस फिल्म के लिए एक साथ समय देने में सक्षम नहीं थे। ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि जब प्रभास और सिद्धार्थ के पास समय होगा तब एक बार फिर से फिल्म पर बातचीत शुरू हो सकती है। प्रभास की आगामी फिल्मेंप्रभास की फिल्म आदिपुरुष 16 जून को रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें वह कृति सैनन, सैफ अली खान, सनी सिंह के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है, जिसका ट्रेलर 9 मई को रिलीज होने वाला है। इसके बाद वह प्रोजेक्ट के में दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के साथ दिखेंगे। इस सबके अलावा वह एक फिल्म के लिए दिल राजू के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। न्यूजबाइट्स प्लसपठान की सफलता के बाद से सिद्धार्थ अब एक्शन फिल्मों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। पीपिंगमून के अनुसार, वह नेटफ्लिक्स के साथ एक एक्शन फिल्म फ्रैंचाइजी के लिए भी हाथ मिला रहे हैं। इसके अलावा वह फाइटर और टाइगर वर्सेज पठान

अयान मुखर्जी बनाएंगे ये जवानी है दीवानी का सीक्वल?

रणबीर कपूर ने किया खुलासा

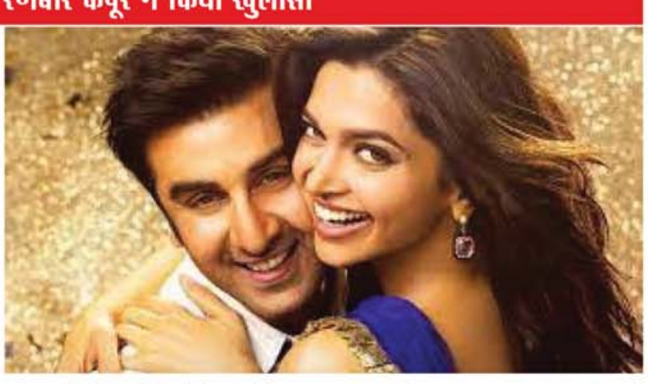

रणबीर कपूर पिछले कुछ समय से अपनी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार को लेकर सुर्खियों में बने हुए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। हाल ही में अभिनेता ने अपनी 10 साल पहले आई फिल्म ये जवानी है दीवानी के सीक्वल की ओर इशारा किया है, जिसके बाद से प्रशंसक काफी उत्सुक हो गए हैं। अपने प्रशंसकों के साथ वर्चुअल चैट में अभिनेता ने खुलासा किया कि सीक्वल के लिए अयान मुखर्जी के पास अच्छी कहानी है। प्रशंसकों से बातचीत के दौरान रणबीर ने कहा कि वह ब्रह्मास्त्र के अलावा ये जावानी है दीवानी का सीक्वल बनाना चाहते हैं। अभिनेता का मानना है कि यह फिल्म एक अच्छा सीक्वल होगी। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि अयान के पास सीक्वल के लिए एक बहुत अच्छी कहानी थी, लेकिन फिर वह ब्रह्मास्त्र में व्यस्त हो गए पर कभी न नहीं कहना चहिए। मुझे लगता है कि कुछ वर्षों के बाद वह शायद इसे बना सकते हैं। रणबीर ने कहानी को लेकर की बातइसके आगे रणवीर ने कहा, मुझे लगता है कि इसकी कहानी 10 साल आगे की होगी, जहां बन्नी, नैना, अवि और अदिति अपने जीवन में कहां हैं ये देखने को मिलेगा। मुझे लगता है कि उन किरदारों के बारे में जानना काफी दिलचस्प होगा। इस फिल्म में रणबीर ने बन्नी की भूमिका निभाई थी तो दीपिका पादुकोण नैना, आदित्य रॉय कपूर अवि और कल्कि कोचलिन अदिति के किरदार में नजर आई थीं। इसकी कहानी चारों दोस्तों के इर्द-गिर्द थी। पहले भी सीक्वल बनने की बात कर चुके हैं अभिनेता2018 में भी रणबीर ने ये जवानी है दीवानी के सीक्वल को लेकर बात की थी। अभिनेता ने कहा था, अयान इन दिनों ब्रह्मास्त्र पर काम कर रहे हैं, जिसे बनाने में बहुत समय लगेगा, लेकिन हमने ये जवानी है दीवानी 2 के बारे में अक्सर बात की है। उन्होंने कहा, अयान के पास इसके लिए एक विचार भी है। अयान कहते हैं कि यह सीक्वल ब्रह्मास्त्र से आसान होगा। न्यूजबाइट्स प्लस2013 में आई इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन शानदार था। 19.45 करोड़ की ओपनिंग के साथ फिल्म 188.57 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने में कामयाब रही थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। इन फिल्मों में नजर आएंगे रणबीररणबीर अब जल्द ही संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म की शूटिंग यूके और हिमाचल प्रदेश में हुई है, वहीं सैफ अली खान के पटौदी पैलेस में भी एक सीच्ेंस शूट किया गया है। एनिमल 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसके अलावा वह ब्रह्मास्त्र के सीक्वल का भी हिस्सा हैं, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे।

डबल रोल निभाना आसान नहीं : नामिक पॉल

लग जा गले के एक्टर नमिक पॉल ने शो में डबल रोल को निभाने के बारे में बात की और कहा कि एक ही समय में दो अलग-अलग व्यक्तित्वों का किरदार निभाना काफी दिलचस्प है। उन्होंने कहा- एक अभिनेता के रूप में, मुझे लगता है कि डबल रोल निभाना का एक शानदार अवसर है। जहां मुझे अहंकारी और आत्मविश्वासी शिव का किरदार निभाना पसंद है, वहीं शमीर्ले अनिकेत का किरदार भी मजेदार है। उसकी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और खासतौर से ईशानी के प्रति उसका व्यवहार बहुत अलग है, और यह मुझे एक्सप्लोर करने और सुधार करने का कई मौका दे रहा है। नमिक ने कुबूल है से अपने अभिनय की शुरूआत की, और एक दूजे के वास्ते, एक दीवाना था जैसे शो से लोकप्रियता हासिल की। एक्टर वर्तमान में लग जा गले में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से, लग जा गले के लिए दो किरदार निभाना मजेदार रहा है, हालांकि, मैं अभी भी एक किरदार से दूसरे किरदार में बदलने की कला में महारत हासिल कर रहा हूं, यह देखते हुए कि वे एक-दूसरे के बहुत विपरीत हैं, यह आसान नहीं है।

अजूनी फेम आयुषी खुराना ने गर्मियों के लिए हाइड्रेशन टिप्स किए शेयर

टीवी शो अजूनी में मुख्य भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आयुषी खुराना चिलचिलाती गर्मी में अपने साथी कलाकारों के साथ शो की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने गर्मी के समय में हाइड्रेटेड रहने के टिप्स साझा किए।अपनी गर्मियों के रुटीन के बारे में बात करते हुए, आयुषी ने शेयर किया, गर्मियों में शूटिंग के दौरान रोशनी और कैमरे के बीच हमें खुद को लगातार हाइड्रेटेड रखना पड़ता है। इसलिए, मैं लगातार पानी पीती हूं। इसके अलावा, मैं अन्य तरल पदार्थ जैसे छाछ, लस्सी, फलों का रस और नारियल पानी का भी सेवन करती हूं।शो में आयुषी के साथ एक्टर शोएब भी लीड रोल में हैं।एक्ट्रेस को कॉफी बहुत पसंद है, लेकिन गर्मियों के दौरान शरीर को स्वस्थ रहने में मदद करने वाले ठंडे पेय के लिए इसका सेवन कम कर दिया है। उन्होंने कहा, हालांकि मुझे कॉफी पीना बहुत पसंद है, लेकिन मैं ज्यादातर गर्मियों में इससे बचने की कोशिश करती हूं, क्योंकि इस मौसम में ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करना ज्यादा फायदेमंद होता है।आयुषी ने अपने फैंस को घर से दूर रहने के दौरान खूब सारे तरल पदार्थ पीने, तला हुआ, मसालेदार और बाहर का खाना खाने से बचने और अपना ख्याल रखने की सलाह भी दी। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि गर्मी लोगों के स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर डालती है।अजूनी प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

आमिर खान ने दक्षिण का किया रुख

अल्लू अरविंद के साथ बना सकते हैं गजनी 2

आमिर खान लाल सिंह चड्ढा के बाद फिल्म चैंपियन्स के रीमेक में काम करने वाले थे। हालांकि, लाल सिंह चड्ढा के खराब प्रदर्शन के बाद पिछले साल उन्होंने अभिनय से एक साल का ब्रेक लेने की बात कही थी। चैंपियन्स से भी उन्होंने खुद को बतौर अभिनेता अलग कर लिया है और अब सोनी पिक्चर्स के साथ मिलकर सिर्फ इसका निर्माण करेंगे। नई जानकारी के अनुसार, अब आमिर अपना नया प्रोजेक्ट दक्षिण में तलाश रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आमिर पिछले तीन महीने में दो बार हैदराबाद जा चुके हैं। आमिर की इन यात्राओं से चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आमिर साउथ इंडस्ट्री में अपना नया प्रोजेक्ट तलाश रहे हैं। इस बारे में आमिर या उनकी टीम की तरफ से कोई इशारा नहीं दिया गया है, लेकिन सूत्रों की मानें तो आमिर तेलुगु निर्माता अल्लू अरविंद के साथ साझेदारी पर बात कर रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने को इच्छुक हैं।पिछले कुछ महीनों में आमिर और अल्लू अरविंद की कई मुलाकातें हो चुकी हैं। दोनों कई प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रहे हैं। इन प्रोजेक्ट के बारे में फिलहाल कुछ साफ नहीं है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इनमें से एक गजनी 2 है। अल्लू अरविंद के पास गजनी 2 का आइडिया है और वह आमिर के साथ संजय सिंघानिया की कहानी को आगे लेकर जाना चाहते हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अभी आधिकारिक बयानों का इंतजार करना होगा। 2008 में आई थी गजनी2020 में रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा गजनी 2 बनाने की बात भी सामने आई थी। 2008 की फिल्म गजनी में आमिर खान ने बिजनसमैन संजय सिंघानिया की भूमिका निभाई थी। उनके साथ फिल्म में अभिनेत्री असिन नजर आई थीं। इस फिल्म में जिया खान ने भी अपने ग्लैमर का जादू डाला था। फिल्म में आमिर का किरदार अपनी प्रेमिका की हत्या का बदला लेना चाहता है, लेकिन उसे भूलने की बीमारी है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था।

विजय थालापथी ने इंस्टाग्राम पर डेब्यू करते ही सबको पछाड़ा

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार थलपति विजय ने फैंस को लंबे समय तक इंतजार करवाने के बाद आखिरकार इंस्टाग्राम पर डेब्यू कर लिया है। थलपति विजय ने इंस्टाग्राम पर आते ही सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। उन्होंने इंस्टाग्राम पर आते ही एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट को शेयर करने के कुछ ही घंटों के अंदर 4 मिलियन से अधिक लाइक्स और कॉमेंट आ चुके हैं। लोग उनके इंस्टाग्राम पर आने की खुशी जता रहे हैं तो साथ ही रश्मिका मंदाना समेत कई सेलेब्स ने तो उन्हें फॉलो करना भी शुरू कर दिया है। थलपति विजय ने इंस्टाग्राम पर आते ही अपनी आने वाली फिल्म %लियो% के सेट पर की तस्वीर शेयर की है। नयनतारा ने अपने जुड़वा बेटों के रखे हैं ऐसे स्पेशल नाम, बोलने से पहले करनी होगी कई बार प्रैक्टिस नयनतारा ने अपने जुड़वा बेटों के रखे हैं ऐसे स्पेशल नाम, बोलने से पहले करनी होगी कई बार प्रैक्टिस इस तस्वीर में थलपित विजय सॉल्ट एंड पेपर लुक में काफी हैंडसम लग रहे हैं। थलपति विजय ने इस तस्वीर को शेयर कर कैप्शन में लिखा है- %हैलो ननबाज़ एंड ननबीज़%। थलपति विजय की पॉपुलैरिटी का आलम यह है कि इंस्टाग्राम पर आने के बाद दो घंटे से भी कम समय में उनके फॉलोअर्स की संख्या 1 मिलियन पार कर चुकी थी। ऐसा कारनामा रचने वाले वो पहले भारतीय हैं। थलपति विजय का उनके फैंस और इंस्टाग्राम यूजर्स ने शानदार स्वागत किया है। फैंस इस बात से बेहद खुश हैं कि ट्विटर और फेसबुक के बाद आखिरकार उन्होंने फोटो शेयरिंग एप इंस्टाग्राम पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा ली है। फैंस को उम्मीद है कि अब एक्टर्स की निजी जिंदगी की झलक भी उन्हें इंस्टाग्राम पर देखने को मिलेगी।

सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला की फिर बनेगी जोड़ी

किक 2 के साथ करेंगे धमाल

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। ईद के मौके पर फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं और प्रशंसक भी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब सलमान की एक और फिल्म से जुड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो अपने मतभेदों को दूर कर सलमान और साजिद नाडियाडवाला किक 2 के लिए साथ आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साजिद सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान का हिस्सा थे, लेकिन फिर वह इससे बाहर हो गए थे। कहा गया था कि सलमान शूटिंग शुरू करना चाहते थे, तो साजिद स्क्रिप्ट पर फिर से काम करने के इच्छुक थे। ऐसे में दोनों के बीच मतभेद हुए और उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया। इसके बाद फरहाद सामजी को फिल्म के निर्देशन की कमान सौंपी गई थी। अब सलमान और साजिद की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी हिट फिल्म का दूसरा पार्ट लेकर आने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सलमान और साजिद किक 2 के लिए साथ आएंगे, जिसकी पटकथा अभी लिखी जा रही है। बीते दिन रानी मुखर्जी के साथ अभिनेता की तस्वीर वायरल होने के बाद लोगों ने दोनों के साथ में स्क्रीन पर आने की मांग की थी। ट्विटर पर भी किक 2 ट्रेंड करने लगा था। साजिद के निर्देशन में बनी किक 2014 में रिलीज हुई थी। डेविल के किरदार में नजर आए सलमान को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही थी। फिल्म में सलमान के साथ जैकलीन फर्नांडिस की जोड़ी बनी थी। इनके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी, रणदीप हुड्डा, मिथुन चक्रवर्ती, संजय मिश्रा, सौरभ शुक्ला, सुनील पाल, रजित कपूर भी फिल्म में अहम भूमिका निभाते नजर आए थे।

एडीजीपी ग्वालियर जोन ने रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में ऑटो प्री-पेड बूथ का किया शुभारंभ

ऑटो प्री-पेड बूथ के प्रारम्भ होने से बाहर से आने वाले यात्रियों को होगा लाभ, सवारियों से मनमाना किराया नहीं वसूल सकेंगे ऑटो चालक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अति. पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन श्री डी.श्रीनिवास वर्मा(भापुसे) द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल(भापुसे) एवं अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा(भापुसे) तथा पुलिस, प्रशासनिक एवं रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 के बाहर सर्कुलेटिंग एरिया में ऑटो प्री-पेड बूथ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एडीजीपी ग्वालियर जोन ने एक यात्री की ऑटो प्री-पेड रसीद भी बनाकर दी। इस अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा रतन ज्योति अस्पताल के सहयोग से सवारी वाहनों ऑटो/ई-रिक्शा के चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र/स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। आज प्रारम्भ किये गये प्री-पेड बूथ के बाहर ऑटो रिक्शा किराया सूची भी लगाई जाएगी। यातायात पुलिस ग्वालियर की इस पहल से यात्रियों से मनमाना किराया वसूली करने वाले ऑटो चालकों पर रोक लगेगी। कार्यक्रम में एडीजीपी का ऑटो चालकों द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर एडीजीपी ग्वालियर जोन ने कहा कि प्री-पेड बूथ के प्रारम्भ होने से बाहर से ग्वालियर आने वाले यात्रियों को काफी लाभ होगा, और यह व्यवस्था सफल होने पर शहर के अन्य स्थानों पर भी प्री-पेड बूथ लगाने की योजना बनाई जाएगी। इसके लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है, ऐसी स्थिति में बाहर से आने वाले यात्रियों को स्टेशन से गंतव्य तक पहुंचने के लिए ऑटो की मदद लेना प?ती है और वाहर से आने वाले यात्रियों से ऑटो चालक मनमाना किराया वसूलते हैं, इसको लेकर कई बार विवाद की स्थिति बनती है। इसी बजह से यातायात पुलिस ग्वालियर ने रेलवे स्टेशन के वाहर ऑटो प्री-पेड बूथ की व्यवस्था को लागू किया है। अब प्रीपेड बूथ शुरू होने से ऑटो रिक्शा लाइन से ख? हो सकेंगे और जिसका नंबर आएगा उसको सवारी लेकर जाना होगा। प्रीपेड बूथ पर यातायात पुलिस के जवान तैनात रहेंगे, जो ऑटो से जाने वाले यात्रियों को सेवाएं देंगे तथा उन्हें निर्धारित किराये की रसीद उपलब्ध करवाएंगे। प्रीपेड बूथ पर तैनात यातायात के पुलिसकर्मी द्वारा यात्री से सूची अनुसार किराया लेकर रसीद दी जाएगी। जिस पर किराया व ऑटो का नंबर अंकित रहेगा। ऑटो चालक यात्री को उसके नियत स्थान पर छो?कर उससे रसीद प्राप्त करेगा उसके बाद स्टेशन पर आकर प्रीपेड बूथ पर रसीद जमा करने के बाद ऑटो चालक को किराया भुगतान किया जाएगा। ऑटो प्री-पेड बूथ के शुभारंभ अवसर पर रोटरी क्लब द्वारा रतन ज्योति अस्पताल के सहयोग से सवारी वाहनों क्रमशः विक्रम/ऑटो/ई-रिक्शा के चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र/स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में करीब 200 वाहन चालकों का नेत्र/स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।उक्त कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल(भापुसे), अति. पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे, एडीएम ग्वालियर श्री एच.बी.शर्मा, एडिशनल कमिशनर नगर निगम ग्वालियर श्री आर.के.श्रीवास्तव, अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान, रेलवे स्टेशन डायरेक्टर श्री एल.आर.सोलंकी, सीएसपी इन्दरगंज श्री विजय भदौरिया, सीएसपी ग्वालियर श्री संदीप मालवीय, डीएसपी रेल ग्वालियर श्रीमती सुभा श्रीवास्तव, डीएसपी यातायात श्री नरेश बाबू अन्नोटिया, श्री विक्रम सिंह कनपुरिया, श्री बैजनाथ प्रजापति के अलावा पुलिस अधिकारी, प्रशासन के अधिकारी एवं रेलवे के अधिकारी तथा काफी संख्या में ऑटो चालक उपस्थित रहे।

सिंधिया के ऊपर झूठे आरोप लगाकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है कांग्रेस: सत्येन्द्र शर्मा

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी जिला ग्वालियर के मंत्री सत्येन्द्र शर्मा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी पर झूठे आरोप लगाकर कांग्रेस सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है बेबुनियादी आरोप लगाकर लगातार कांग्रेस पार्टी हमलावर रहती है और हर बार कांग्रेस पार्टी आवेग में आकर झूठ भी प्रसारित करती है। आज इंडियन यूथ कांग्रेस मध्यप्रदेश ने अपने ट्विटर हैंडेल का इस्तेमाल कर ट्वीट किया की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने अपने ट्विटर बायो से बीजेपी हटा दिया है यह प्रसारित किया जा रहा है। लेकिन सच बात यह ही ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने अपने ट्विटर बायो को पिछले 2 साल में बदला ही नहीं है।जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा ने कहा कि सिंधिया जी के ट्विटर हैंडेल पर बीजेपी लिखा हुआ भी नहीं है वर्तमान में जिस पद पर है यानी केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन एवं इस्पात पद का विवरण लिखा हुआ है भाजपा के अनेक नेता है जो केंद्रीय मंत्री है अपने ट्विटर प्रोफ़ाइल के बायो में पार्टी का नाम नहीं लिखते है । जैसे गृह मंत्री अमित शाह, रेल्वे मंत्री अश्विनी वैष्णव या केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे व अन्य किसी ने भी पार्टी का ज़िक्र अपने ट्विटर के बायो में नहीं किया है । जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी से त्याग पत्र क्या दिया है इस समय कांग्रेस एवं कांग्रेस के नेताओ की हालात खिसियानी बिल्ली खम्बा नोचे जैसी हो गई है। कांग्रेस के पास सिवाय झूठ और फरेब फैलाने के अलावा और कुछ बचा नहीं है कांग्रेस को जनता जनार्दन सिरे से नकार चुकी है आने वाले समय मे जनता इस झूठ का जबाब जरूर देगी और कांग्रेस का पर्दा खास करेगी।

प्रत्येक गांव में घर घर पहुंचेगा किसान मोर्चा, गांव गांव किसान चौपाल का होगा आयोजनः गिर्राज व्यास

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा महानगर ग्वालियर के जिलाध्यक्ष गिर्राज व्यास ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह ने वर्चुअल रुप से बैठक में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों को आगामी कार्य योजना से अवगत कराया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के द्वारा प्रदेश के प्रत्येक गांव में किसान चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है, जिसके अंतर्गत किसान मोर्चा समस्त जिले एवं मंडल के पदाधिकारी अपने अपने जिले एवं मंडल के प्रत्येक गांव में जाकर किसान चौपाल का आयोजन करेंगे, वहीं चौपालों के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पदाधिकारी केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न किसान हितेषी योजनाओं की जानकारी देंगे।जिलाध्यक्ष गिर्राज व्यास ने पत्रकारों को बताया कि प्रदेश के अन्नदाता के अथक परिश्रम और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली शिवराज सरकार के दृड़ संकल्प का परिणाम है कि मध्य प्रदेश निरंतर कृषि के क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है किसानों को किसान सम्मान निधि के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा तीन किस्तों में शहजाद एवं राज्य सरकार के द्वारा दो किस्तों में 4000 की राशि प्रदान की जाती है। किसानों को 0 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज दिया जाता है। किसानों से कृषि पंप का वर्ष में

केवल दो बार बिजली का बिल लिया जाता है। प्रदेश में पांच हॉर्स पावर तक के कृषि उपभोक्ताओं को 51896 वे रुपए वार्षिक बिल के स्थान पर मात्र 3 हजार 750 रुपये का बिल दिया जा रहा है। यह कुल राशि का मात्र 7 प्रतिशत है गांव के लिए 24 घंटे बिजली एवं कृषि के पर्याप्त नियमित और गुणवत्ता युक्त बिजली दी जाती है। मुख्यमंत्री ट्रांसफॉर्मर अनुदान योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करते हुए प्रदेश में 45 लाख एक्टर भूमि संचित है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेत सड़क योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। 12.17 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल हुई है गांव-गांव सड़कों का जाल बिछाते हुए मुख्य मार्ग से जोड़ा गया है। लाभार्थी के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर डीवीडी के माध्यम से जमा की जाती है और इस प्रकार बिचैलियों को खत्म किया गया है। मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 के अंतर्गत 11 लाख 19 हजार किसानों के 2 हजार 123 करोड ब्याज मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भरा जा रहा है पिछले 2 सालों में 9 लाख मीटिक टन से अधिक मूंग का उपार्जन हुआ है ।अध्यक्ष गिर्राज व्यास, किसान मोर्चा के जिला प्रभारी मुकेश दुबे एवं मीडिया प्रभारी पंकज पाठक ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश के किसान हितेषी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं कृषि मंत्री कमल पटेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आगामी समय में ट्रैक्टर किसान चैपाल के माध्यम से यह जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाएगी। पत्रकार वार्ता में भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विपुल गुप्ता, जिला प्रभारी मुकेश दुबे, महामंत्री रुपेश सिंह चौहान, प्रमोद सिंह परमार, उपाध्यक्ष अरविंद सिंह गुर्जर,अरविंद शर्मा, राजू यादव, आशीष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

मेला ब्लॉक में शुरू हुई हाथ से हाथ जोडो पदयात्रा, घर घर पहुंची

ग्वालियर। आज हर वर्ग किसान, मजदूर, युवा, महिलायें, बुजुर्ग, युवा अपने आप को असहाय महसूस कर रहा है, कांग्रेस इन वर्गों के हितों की रक्षा के लिए काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी। यह बात आज 16 ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा के दौरान आम जनों से चर्चा करते हुये कहीं। आज 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के मेला ग्राउण्ड ब्लॉक में शाम 5 बजे वार्ड 22 के सिद्धेश?वर नगर में जीतू कुशवाह के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुये, यहां से विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा शुरू की। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे हाथों में लेकर चल रहे थे। पद यात्रा जीतू कुशवाह के निवास से विष?णु नायक जी वाली गली से होते हुये गली नं.4,3,2,1 के बाद तारामायी कॉलोनी, न्यू अशोक कॉलोनी, अशोक कॉलोनी में घर-घर पहुंची और जनता से सीधे संपर्क किया। इस दौरान विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर क्षेत्रीय नागरिकों ने जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया।यात्रा के दौरान विधायक डॉ. सिकरवार ने जनता से व प्रगति जनभावनाओं के अनुरूप जारी

चर्चा करते हुये कहा कि क्षेत्र का विकास है और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। आप लोगों ने मुझे हमेशा स्नेह और आर्शीवाद दिया है, अब मैं क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दूगां। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के सम्मान की योजना शुरू की है, जिसके तहत हर महिला को 1500 रूपये प्रतिमाह दिये जायेंगे और 500 रूपये में सिलेंडर दिया जायेगा। कांग्रेस जो कहती है वो करके दिखाती है, यही कांग्रेस की रिति और निति है। जबकि विरोधी दल के लोग सिर्फ झूंठी घोषणायें कर लोगों को गुमराह करने का काम करते हैं। 'हाथ से हाथ जोडो' पद यात्रा में दौरान विधायक डॉ. सिकरवार के साथ एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमसिंह नेताजी, ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र चौहान, महादेव अपोरिया, पार्षद केदार बरहादिया, सुरेन्द्र साहू, प्रमोद खरे, अंकित कठठ्ल, श्रीमती वीणा भारद्वाज, रीना चौहान, जीतू कुशवाह, आदित्य सेंगर, राकेश कुशवाह, बिल्ला सिकरवार, गजेन्द्र सिंह कुशवाह, डॉ. कमेलश इंदौरिया, रेखा जाटव, अश्विनी अगरैया, राहुल बघेल, उपेन्द्र शर्मा, बबलू सोन आदि सैक?ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478